सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 304 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 18 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बीजेपी महिला मोर्चा अध्यक्ष रुपकुमारी और म्हस्के का जोरदार स्वागत

रायपुर। बीजेपी महिला मोर्चा की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद रूपकुमारी चौधरी और सोशल मीडिया के नवनियुक्त राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हस्के का बीजेपी प्रदेश कार्यालय रायपुर में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ा बजाकर आत्मीय स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने स्मृति मंदिर में पूजा अर्चना कर भाजपा के पितृ पुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया।इस दौरान रूपकुमारी चौधरी ने अपनी नियुक्ति पर केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने एक साधारण कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, उस पर वो खरा उतरने का प्रयास करेंगी। राष्ट्रीय स्तर पर मातृशक्ति का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया।

रात में परिवार संग खाना खाया, सुबह खेत में लटका मिला युवक का शव

जांजगीर-चांपा। जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खिसोरा में 21 वर्षीय युवक का शव खेत की मेड़ पर पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उदय कुमार कश्यप के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार उदय कुमार रात में परिवार के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह उसके पिता की नींद खुली तो उदय कमरे में नहीं मिला। इसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान खेत की ओर जाने वाले कुछ लोगों की नजर पेड़ से लटके युवक के शव पर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना गांव के सरपंच को दी। जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान उदय कुमार के रूप में की।

जेपी नड्डा की हुई एंजियोप्लास्टी एम्स ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की स्वास्थ्य स्थिति पर एक आधिकारिक बयान जारी किया है। बयान में बताया गया है कि अभी उनकी हालत स्थिर है। जेपी नड्डा की सोमवार 17 अगस्त को एंजियोप्लास्टी हुई है। एम्स द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि उनकी हालत स्थिर है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उनका इलाज अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में चल रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर रख रही है।

छत्तीसगढ़ में फिर सक्रिय हुआ मानसून, जमकर बरसेंगे बदरा, 28 से ज्यादा जिलों में अलर्ट जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। पिछले दो दिनों से रायपुर से समेत कई जिलों में हल्की मध्यम बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बने दबाव की वजह से छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियां लगातार जारी है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक रायपुर सहित 28 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को सुबह 7 बजे से अगले दो दिन के लिए अलर्ट जारी किया गया है। धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदा बाज़ार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में आकाशीय बिजली, 40 से 60 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने और बारिश की संभावना जताई गई है। इन इलाकों के लिये ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

इसके साथ ही सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाज़ार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर और कोरिया के लिये बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर बना अवदाब धीरे-धीरे उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। 17 अगस्त तक यह उसी इलाके में एक्टिव रहा। अगले 24 घंटों के दौरान पहले उत्तर-उत्तर-पश्चिम और फिर उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार से होकर गुजरने की संभावना है।

भूमि को भूखंड बनाने लेना होगा कॉलोनाइजर लाइसेंस, अपार्टमेंट के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

अवैध कॉलोनी बनाने वालों पर सरकार का शिकंजा, सात साल की जेल और एक लाख का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अवैध कॉलोनियों का निर्माण करने वालों को सरकार ने एक बार फिर से चेताया है। दरअसल छत्तीसगढ़ में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सरकार ने गाइडलाइन के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया है। भूमि को भूखंड बनाने वालों को कॉलोनाइजर का लाइसेंस लेना होगा और अपार्ट बनाने वालों को अपना रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा।

नगरीय क्षेत्रों में अवैध कालोनियों के निर्माण पर प्रभावी रोक लगाने और नागरिकों के हितों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 तथा छत्तीसगढ़ नगरपालिका नियम, 1998 में आवश्यक प्रावधान किए गए हैं। अधिनियम की धारा 339-क के तहत नगरपालिका परिषद अथवा नगर पंचायत क्षेत्र में भूमि को भूखण्डों में विभाजित कर कालोनी विकसित करने वाले व्यक्ति का कालोनाइजर के रूप में पंजीयन अनिवार्य है। इसी प्रकार भवन अथवा अपार्टमेंट का निर्माण कर उसका विक्रय या अंतरण करने वाले भवन निर्माता के लिए भी पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है।

अवैध व्यपवर्तन अथवा अवैध कालोनी निर्माण के मामलों में अधिनियम की धारा 339-ग के तहत तीन से सात वर्ष तक के कारावास तथा न्यूनतम एक लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। इसके अलावा न्यायालय द्वारा प्रतिकर राशि का भुगतान करने का आदेश भी दिया जा सकता है। नियमों के अनुसार कालोनाइजर का पंजीयन प्रमाण-पत्र पांच वर्ष के लिए वैध होता है। प्रत्येक कालोनी के विकास कार्य और भूखण्डों के विक्रय के लिए सक्षम प्राधिकारी से पृथक विकास अनुमति लेना आवश्यक है। आवासीय कालोनियों में कुल भूमि का 15 प्रतिशत क्षेत्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित रखना अनिवार्य है। साथ ही निर्धारित भूखण्डों को विकास कार्य पूर्ण होने तक नगरपालिका के पास बंधक रखना होता है।

भूखण्ड लेने से पहले दस्तावेजों की करें जांच

सूरजपुर जिला प्रशासन ने कालोनाइजरों एवं भवन निर्माताओं से सभी निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है। प्रशासन ने नागरिकों से भी आग्रह किया है कि भूखण्ड या भवन खरीदने से पहले संबंधित नगरीय निकाय से कालोनाइजर का पंजीयन, विकास अनुमति, स्वीकृत ले-आउट तथा भूखण्ड की बंधक स्थिति की अनिवार्य रूप से जांच करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों की जागरूकता और दस्तावेजों की पूर्व जांच से अवैध कालोनियों एवं अनधिकृत निर्माण से होने वाले आर्थिक नुकसान से बचा जा सकता है।

भिलाई में तीन नाबालिग बच्चियों का यौन शोषण, आरोपी गिरफ्तार

■ चॉकलेट खिलाने का लालच देकर बुलाता था बच्चियों को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र के कैंप इलाके में तीन नाबालिग बच्चियों के साथ यौन शोषण (ओरल सेक्स) का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि मोहल्ले में रहने वाला 59 वर्षीय फिरोज मंसूरी बच्चियों को अपने घर ले जाकर उनके साथ आपत्तिजनक कृत्य करता था। पीड़ित बच्चियों में दो सगी बहनें शामिल हैं।

नगर पुलिस अधीक्षक छावनी प्रशांत पैकरा ने बताया कि यह घटना करीब 10 से 11 दिन पहले की है। तीनों बच्चियों ने अपने साथ हो रही प्रताड़ना की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद सोमवार रात बच्चियों के परिजन छावनी थाना पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए छावनी पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी फिरोज मंसूरी को गिरफ्तार कर लिया। नगर पुलिस अधीक्षक छावनी प्रशांत पैकरा ने बताया कि पीड़ित नाबालिग बच्चियों के परिजनों की रिपोर्ट पर छावनी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 4, 6, 127(2), 64(2)(m) एवं 65(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पीड़ित बच्चियों से संबंधित आवश्यक कानूनी एवं चिकित्सकीय प्रक्रिया भी नियमानुसार कराई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : चंपत राय और अनिल मिश्रा को क्लीन चिट

अयोध्या ए.। स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से जुड़े मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी फाइनल रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। गृह विभाग ने रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए इसे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को उपलब्ध करा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, फाइनल रिपोर्ट में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को क्लीन चिट दी गई है। वहीं, ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र पर भी कोई आरोप तय नहीं किए जाने की बात सामने आ रही है।

ट्रस्ट के अनुरोध पर शासन ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। आईजी रेंज किरण एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन कुमार को एसआईटी का सदस्य बनाया गया था। टीम ने जांच के दौरान चढ़ावे से जुड़े मामले में सामने आए तथ्यों, दस्तावेजों और संबंधित लोगों के बयानों की पड़ताल की। प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर ही आरोपियों की गिरफ्तारी समेत अन्य कार्रवाई की गई थी। चढ़ावे की रकम में कथित गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे थे। विवाद के बीच दोनों ने ट्रस्ट में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। अब प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्क्रुज़ की रिपोर्ट में दोनों के नाम नहीं होने से उन्हें राहत मिली है।

कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत और नेहा राठौर पर भाजपा ने दर्ज कराई एफआईआर

■ भ्रामक वीडियो वायरल करने का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा राठौर के खिलाफ रायपुर के सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(4), 353(2) और 196 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में लगाए गए आरोपों, सोशल मीडिया पोस्ट और उनसे जुड़े अन्य तथ्यों की जांच करेगी। इस दौरान संबंधित डिजिटल सामग्री और उसके प्रसारण से जुड़े पहलुओं को देखा जायेगा।

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रवक्ता एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा सिंह राठौर की ओर से धमतरी जिले के कुरुद में 22 मार्च 2026 को हुए 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' के दौरान बीजेपी का ध्वज फहराए जाने के फोटो एवं वीडियो को 15 अगस्त 2026 का बताकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। उक्त हैंडल्स ने झूठा दावा करते हुए कहा कि भाजपा जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय ध्वज की जगह पार्टी का झंडा फहराया है। इस पुराने वीडियो को स्वतंत्रता दिवस पर वायरल किया गया। इससे जनता के बीच भ्रम, राजनीतिक तनाव और अशांति फैलाने की आशंका है।

फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बीजेपी ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से इस प्रकार की भ्रामक सामग्री को तुरंत हटाने और संबंधित हैंडल्स पर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं पुलिस के अनुसार, शिकायत में सोशल मीडिया के माध्यम से किए गए कथित आपत्तिजनक और विवादित प्रचार-प्रसार को लेकर आपत्ति जताई गई है। शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया है कि संबंधित पोस्ट और बयानों के जरिए ऐसी सामग्री प्रसारित की गई, जिससे सामाजिक स्तर पर भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 18 ट्रेनें 25 सितंबर से 14 अक्टूबर तक कैंसिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 18 एक्सप्रेस ट्रेनों को 25 सितंबर से 14 अक्टूबर 2026 तक कैंसिल कर दिया गया है। इसके अलावा उत्कल एक्सप्रेस अलग-अलग तारीखों पर बदले रूट से चलेगी, जबकि 13 अक्टूबर को गीतांजलि एक्सप्रेस 2 घंटे की देरी से रवाना होगी। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में काम होगा। रद्द होने वाली गाड़ियों में इतवारी-टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस, टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस, नांदेड़-सांतरागाछी एक्सप्रेस, हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस, हावड़ा-CSMT दुरंतो एक्सप्रेस समेत 18 ट्रेनें शामिल हैं। इन एक्सप्रेस ट्रेनों के कैंसिल होने से झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार जाने यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

रेलवे प्रशासन ने बताया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में बंडामुंडा केबिन-ए से राउरकेला सेक्शन के बीच पांचवीं लाइन की कमीशनिंग का काम किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग चरणों में नॉन-इंटरलॉकिंग काम और ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इस काम का असर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली कई ट्रेनों पर पड़ेगा।

राखी से पहले खाद्य विभाग की कार्रवाई, 10 हजार का माल सीज

कोरबा। रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर जिले में 17 से 23 अगस्त तक सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जनजागरूकता अभियान 'बने खाबो-बने रिहबो 2.0' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य विभाग की टीम मिठाई, डेयरी और किराना प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के सैंपल ले रही है। इसी कड़ी में 17 अगस्त को गौ माता चौक, सीतामढ़ी स्थित मां सर्वमंगला डिस्ट्रीब्यूटर पर जांच की गई। यहां से नारियल लड्डू और मसूर पाक के नमूने लिए गए, जबकि गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर करीब 10 हजार रुपए की खाद्य सामग्री सीज की गई।

भिलाई में शिवमहापुराण कथा के पहले दिन रीवा व गोरखपुर की सात महिलाओं पर पुलिस की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर भिलाई में चल रही शिवमहापुराण कथा के दौरान पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत संदिग्ध रूप से घूम रहे महिलाओं के एक समूह को चिन्हित कर पूछताछ की। संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस ने सात महिलाओं को थाना भिलाई नगर लाकर पूछताछ एवं पहचान संबंधी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद सभी के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

थाना भिलाई नगर क्षेत्र के जयंती स्टेडियम में 17 से 23 अगस्त तक शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार सुरक्षा निगरानी की जा रही है। पुलिस के अनुसार 17 अगस्त को कथा पंडाल में महिलाओं का एक समूह संदिग्ध रूप से घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उन्हें चिन्हित कर पूछताछ की। संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर सात महिलाओं को थाना लाया गया। सभी के विरुद्ध नियमानुसार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इनमें रीना (35), अनीता देवी (22), सोनाली उर्फ शीला (45), जाह्नवी देवी (22) और गीता देवी (37) सभी निवासी ग्राम खड्डा, थाना सिवान, जिला रीवा, मध्य प्रदेश शामिल हैं। इसके अलावा संगीता (25) और नैना (20) दोनों निवासी ग्राम समकलपुर थाना पिपराइच, जिला गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।

संपादकीय

नबीन के नगीने

डिजिटल मीडिया, उ.प्र. व युवा प्राथमिकता बने

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नये बदलाव के जरिये एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। कार्यकारिणी में उ.प्र. के पदाधिकारियों का दबदबा, अपेक्षाकृत युवाओं को तरजीह तथा आईटी सेल के शीर्ष पद में बदलाव बताता है, ये परिवर्तन समय की जरूरत है। कहीं न कहीं जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टी ने बदलाव की आकांक्षी नई पीढ़ी से जुड़ने का मन बनाया है। छात्र आंदोलन में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका को महसूस करते हुए एक दशक के बाद भाजपा के आईटी हेड अमित मालवीय की विदाई हुई है और दीपक म्हस्के की एंट्री हुई है। कैमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे म्हस्के चुनावी आंकड़ों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित डेटा विश्लेषण अभियान से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार-प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दर्शाता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है। पार्टी ने यह भी महसूस किया कि हालिया छात्र आंदोलन में छोटे वीडियो, व्यंग्य, राजनीतिक मीम व वायरल सामग्री की लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उ.प्र. का दबदबा नजर आता है। जिन आठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उनमें राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी सुर्खियों में है। साथ ही राजनीतिक समीकरण साधने के लिये ओबीसी से लेकर अल्पसंख्यक चेहरे कार्यकारिणी में उ.प्र. से शामिल किए गए है। कह सकते हैं राजनीति के साथ ही सामाजिक समीकरण भी साधने की कोशिश हुई है।

> “ छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार-प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दर्शाता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है।

बहरहाल, नितिन नबीन की नई कार्यकारिणी में महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी ने खासी सुर्खियां बटोरी हैं क्योंकि अमेठी से चुनाव हारने के बाद उन्हें हाशिये पर माना जा रहा था। एक समय राहुल गांधी को हराकर अमेठी से सांसद और मंत्री बनने के बाद वे लगातार सुर्खियों में रही थीं। वहीं कुर्मी समाज से आने वाली रेखा वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं दलित समुदाय से आने वाले बुलंदशहर के सांसद डॉ.भोला सिंह राष्ट्रीय सचिव, प्रभावी यादव समाज से आने वाली आजमगढ़ की संगीता यादव के जरिये आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश हुई है। उत्तर प्रदेश से ही अमरपाल मौर्य को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है। दूसरी ओर उ.प्र. के ही कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चे की कमान दी गई है। जो संगठनात्मक रणनीति के साथ ही इन समाजों में पकड़ मजबूत करने की कोशिश भी है। इसे उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले की तैयारी माना जा रहा है। निस्संदेह, यह कहावत सटीक है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उ.प्र. से होकर ही जाता है। यही वजह है कि भाजपा के लिये प्रदेश का विधानसभा चुनाव प्रतिष्ठा का प्रतीक बनना स्वाभाविक ही है। दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में संघ से जुड़े रहे राम माधव, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रहे तीरथ सिंह रावत व बैजयंत जयपांडो जैसे दिग्गज नेताओं को तरजीह मिली है। वहीं युवाओं को प्राथमिकता देने के क्रम में युवा मोर्चे के अध्यक्ष के रूप में हेमांग जोशी के नाम की चर्चा हो रही है। दूसरी तरफ पार्टी ने राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी पीयूष गोयल को दी है। वहीं नॉर्थ ईस्ट कॉर्डिनेटर पद पर संबित पात्रा व मीडिया संयोजक के पद पर अनिल बलूनी दायित्व निभाएंगे। पार्टी ने महिलाओं को भी महत्व दिया है और राष्ट्रीय पदाधिकारियों में कुल मिलाकर बारह महिलाएं शामिल की गई हैं। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ की नेता रूप चौधरी को प्रदान की गई है।

हर मौसम में निर्बाध भरोसेमंद सड़कों की जरूरत

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

पर्वतीय क्षेत्रों में जरूरत केवल ऑल वेदर रोड की नहीं, बल्कि हर मौसम में उपयोगी और सुरक्षित सम्पूर्ण सड़क-सम्पर्क तंत्र की है। मसलन उत्तराखंड में चारधाम मार्ग का असल फायदा तभी है, जब प्रदेश के हरेक गांव का स्कूल, अस्पताल और हाईवे से सभी मौसमों में सुरक्षित लिंक कायम रहे। सड़कों की चौड़ाई से महत्वपूर्ण उनका भरोसा, मेंटिनेंस, पुलों की मजबूती और संपर्क मार्गों की स्थिति है।

उत्तराखंड में वर्षों पहले जिस सड़क परियोजना की चर्चा 'ऑल वेदर रोड' के नाम से शुरू हुई थी, वह अब 'चारधाम मार्ग' के नाम से अधिक जानी जाती है। लेकिन सवाल नाम का नहीं, उसके उद्देश्य और परिणाम का है। यदि यह सचमुच ऑल वेदर रोड है, तो बार-बार, बीसियों स्थानों पर मौसम की मार से अवरुद्ध होना इसके दावे पर सवाल खड़ा करता है। मूल सवाल है- क्या सड़क केवल चौड़ी और नई बनी है, या वास्तव में हर मौसम में भरोसेमंद आवागमन के योग्य भी हुई है?

चारधाम तक ही क्यों? जब सड़कों का निर्माण जनता से वसूले गए करों और रोड टैक्स जैसे साधनों से होता है, तो हर सड़क का हर मौसम में उपयोगी व भरोसेमंद होना जनता का अधिकार है; सड़कें किसी सरकार की भीख नहीं। गांवों में ऑल वेदर मार्ग किसानों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि इससे आलू, सेब जैसे उत्पाद समय पर बाजार पहुंचेंगे व खराब होने की आशंका घटेगी। गांवों की सड़कों को ऑल वेदर बनाने का लक्ष्य कई पंचवर्षीय योजनाओं की प्राथमिकताओं में पहले से रहा है।

सैन्य सुरक्षा की दृष्टि से भी ऑल वेदर रोड की आवश्यकता है और उत्तराखंड में यह प्रमुख प्राथमिकताओं में हो। धार्मिक चारधाम यात्रा के नाम पर भले ही इसे चारधाम मार्ग कहा गया हो, पर चारधाम यात्रा वर्ष में करीब छह माह, कपाट खुले रहने की अवधि में ही होती है व इसके लिए फोर-लेन सड़कें अनिवार्य नहीं। किसी भी मौसम में सड़कों पर सुरक्षित और सुगम आवागमन केवल सड़क की गुणवत्ता पर नहीं, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के आचरण व कार्य-संस्कृति पर भी निर्भर करता है। बिजली, पानी, सीवर या टेलीफोन लाइनों के लिए बार-बार नई सड़कों को खोदना, उन पर रेत-बजरी बिखेरना अथवा निर्माण सामग्री डम्प करना आम है। इससे वाहन फिसलने जैसी दुर्घटनाएं होती हैं। यदि हम स्वयं सड़कों पर ऐसी सामग्री बिखेरें, जो बरसात में फिसलन या आंधी में धूल-गुबार का कारण बने, तो ऑल वेदर रोड का लाभ कितना मिल पाएगा? ओस या बर्फ जमने पर सड़क सुरक्षित रहने के बावजूद पैदल चलना भी कठिन हो जाता है।

पहाड़ों में हर साल आपदाओं से टूटने वाले पुल-पुलिये समय पर ठीक नहीं हो पाते। जर्जर ट्रॉलियों और पेड़ों के तनों के सहारे नदी-नाले पार करना आज भी जोखिम भरा है; बच्चों सहित ग्रामीणों के घायल होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। हजारों करोड़ रुपये की चारधाम ऑल वेदर रोड का लाभ भी तभी मिलेगा, जब मरीज, किसान और आम नागरिक अपनी सड़क, पगडंडी और पुल के जरिए उसके मुहाने तक पहुंच सकें। टिहरी बांध के जलाशय बनने के बाद प्रतापनगर, केदार त्रासदी से प्रभावित क्षेत्रों, यमकेश्वर-ढांगू, गुप्तकाशी और कुमाऊं के अनेक गांवों में यह समस्या आज भी बनी हुई है। बरसात में बच्चों का स्कूल पहुंचना और मरीजों अथवा प्रसव के निकट महिलाओं को मोटर मार्ग तक लाना तक कठिन हो जाता है। कई सम्पर्क मार्ग ठीक होने के बावजूद वाहन-विहीन रहते हैं। सवाल इसलिए केवल ऑल वेदर रोड का नहीं, बल्कि गांवों को स्कूल, अस्पताल और मुख्य मार्गों से हर मौसम में जोड़ने वाले भरोसेमंद सम्पर्क तंत्र का है।

सवाल है कि ऑल वेदर रोड से पहले गांवों में ऑल वेदर स्कूलों, अस्पतालों और मुख्य मार्गों तक पहुंच सरकारों की प्राथमिकता क्यों नहीं है? असल में जरूरत केवल ऑल वेदर रोड की नहीं, बल्कि हर मौसम में उपयोगी और सुरक्षित सम्पूर्ण सड़क-सम्पर्क तंत्र की है। सड़क पर पर्याप्त रोशनी पर भी खास ध्यान नहीं। राहगीर चाहता है कि उसकी सड़क, पगडंडी या पुल किसी भी मौसम में बाधित न हो। फ्लाईओवर और पुलों की सुरक्षा का रिकॉर्ड भी चिंता से परे नहीं; पुलों के गिरने, भ्रष्टाचार और अवैध खनन से उनके स्तंभों व सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के मामले इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं।

ऑल वेदर रोड का सड़क की चौड़ाई से सीधा संबंध नहीं है। संकरी पगडंडी भी ऑल वेदर हो सकती है, यदि वह हर मौसम में सुरक्षित और आवागमन योग्य रहे। हां, चौड़ी सड़क पर मलबा गिरने की स्थिति में उसके किसी हिस्से से बचकर निकलना बनिस्बत आसान होता है। पहले, खासकर फौजी वाहनों में, छोटा-मोटा मलबा हटाने को बेलचा-कुदाल तक रखे जाते थे; अब स्थिति यह कि खड़े या चलते वाहनों पर सीधे मलबा गिरने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क कटान के नीचे के पेड़ों की कटाई भी जोखिमों को बढ़ा रही है।

सम्पर्क मार्गों की स्थिति भी महत्वपूर्ण है। जैसे मुख्य नदी के लिए सहायक नदी महत्वपूर्ण है, वैसे ही सड़कों के लिए सम्पर्क मार्ग अहम हैं। सभी सड़कों के जलागम क्षेत्रों में भू-क्षरण व भूस्खलनों को रोकने के लिए जलागम प्रबंधन का काम होना चाहिए। सड़कों की ज्योमेट्री और तात्कालिक डम्पिंग ग्राउंड के महत्व को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है। अन्यथा सड़क खोलने की जल्दी में सारा मलबा और बड़े-बड़े पत्थर भी नीचे लुढ़का दिए जाते हैं। यह भी कार्य-संस्कृति से जुड़ा सवाल है। सड़कों के बड़े प्रोजेक्ट्स से सामुदायिक प्राकृतिक संसाधनों, जैसे जलस्रोत, चारा, लकड़ी और लघु वन उत्पादों के संग्रहण के पारम्परिक क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। बड़े पैमाने पर भूगर्भीय कमजोरियों के कारण जीवन और आजीविका की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है।

न भूलें कि पहाड़ों में, और पूरे विश्व में भी, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं वालों ने, चाहे वे खनन की हों या विद्युत उत्पादन की, अपने मतलब के लिए, अपनी मशीनों की ढुलाई और कई-कई पहियों वाले भारी वाहनों की आवाजाही के लिए सड़कें बनाई हैं। बेशक अहसान स्थानीय लोगों पर ही जताया जाए।

लेखक पर्यावरण वैज्ञानिक हैं।

नागपंचमी: जहां लोककथा मिलती है आस्था से, और आस्था मिलती है प्रकृति से.....

लेखिका-वंदना चौधरी

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं में नागपंचमी का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह लोकजीवन, प्रकृति और लोककथाओं का अद्भुत संगम भी है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति की जड़ें प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ी हुई हैं और लोककथाएँ हमारी सामूहिक स्मृति को जीवित रखती हैं।

सिटोंगा का नाग दरबार : रहस्य और श्रद्धा का केंद्र

जशपुर नगर के समीप ग्राम सिटोंगा में नागपंचमी पर लगने वाला नाग दरबार आस्था और लोककथा का अनूठा संगम है। यहाँ खेतों के बीच बने छोटे नागदेव मंदिर में बांकी और श्री को नाग-नागिन रूप में पूजा जाता है। जनश्रुतियों के अनुसार, सिटोंगा निवासी ये गरीब भाई-बहन -सौतेली मां से परेशान थे। एक दिन खेत में सांप के दो अंडे खाने से उनका शरीर सर्प रूप में बदल गया। वे खेत के कुंड में छिप गए और माता-पिता को देख बांकी पश्चिम और पूर्व दिशा में भागे। उसी कुंड से बांकी और श्री नदियों का उद्गम हुआ। श्रद्धालुओं में यह मान्यता प्रचलित है कि नागदेव पूजा के दौरान भक्तों पर सवार होकर दर्शन देते हैं। जब नागदेव श्रद्धालुओं पर आते हैं, तो वे अजीब हरकत करने लगते हैं। नदी के पास स्थित एक कुंड में इन्हें स्नान कराकर दूध पिलाने से ये शांत होते हैं।

दल्हा पहाड़ मेला : जनसैलाब और उत्सव का विराट संगम

जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा के पास स्थित दल्हा पहाड़ पर नागपंचमी के अवसर पर विशाल मेला आयोजित होता है। दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु यहाँ पहुँचते हैं। पर्वत की प्राकृतिक छटा और श्रद्धालुओं की आस्था मिलकर इस आयोजन को अद्वितीय बना देती है। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक उत्सव का भी प्रतीक है।

नागफणी गाँव : शेषनाग-नागिन का प्राचीन मंदिर

बस्तर के नागफणी गाँव में 11वीं शताब्दी का ऐतिहासिक शेषनाग-नागिन मंदिर स्थित है। यहाँ सांपों को मारना पूरी तरह वर्जित माना जाता है। यह परंपरा गाँव की धार्मिक मान्यता और सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखे हुए है। नागपंचमी पर यहाँ विशेष पूजा-अर्चना होती है और श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुँचते हैं।

कालसर्प दोष निवारण : विशेष पूजा और दुग्धाभिषेक

कालसर्प दोष निवारण के लिए विशेष मंत्रोच्चार एवं पूजा-पाठ कर नागदेव को दुग्धाभिषेक और आरती से श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक प्रार्थना की जाती है जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और बाधा-निवारण की कामना कर के आशीर्वाद प्राप्त किया सके 7

23 वर्षों बाद नाग पंचमी और सावन सोमवार का अद्वितीय संयोग

इस वर्ष नागपंचमी और सावन सोमवार का संगम 23 साल बाद बना है। यह संयोग श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पावन और शुभ माना जा रहा है। हिंदू धर्म में नाग देवता को पूजनीय स्थान प्राप्त है। भगवान शिव के गले में नाग का विराजमान होना इस बात का प्रतीक है कि नाग पूजा और शिव आराधना का संबंध शाश्वत और गहरा है। नागपंचमी का पर्व इसी आस्था से जुड़ा है, जब श्रद्धालु नागदेव को दूध अर्पित कर जीवन में शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

नागपंचमी का पर्व हमें यह सिखाता है कि आस्था और प्रकृति का संबंध कितना गहरा है। नागदेव की पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक भी है। जब श्रद्धालु दूध अर्पित करते हैं, जब लोकगीत गूंजते हैं, मेले में जनसैलाब उमड़ता है—तब यह पर्व हमें बताता है कि हमारी संस्कृति की जड़ें कितनी जीवंत और गहरी हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इन परंपराओं को केवल धार्मिक आस्था तक सीमित न रखें, बल्कि इन्हें सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक के रूप में देखें। नागपंचमी हमें यह संदेश देती है कि प्रकृति की रक्षा ही हमारी संस्कृति की रक्षा है।

सुकून की वजह बनी घर की दीवार

परेश रावल की एक पुरानी फिल्म का डायलॉग था कि है, मैं तो तुझे बदमाश समझता था, पर तू तो देव माणुस निकला रे। आज यही बात जिन्ना साहब से कही जाए। तू तो सचमुच देव माणुस निकला। कल्पना कीजिए, अगर सन् सैंतालीस में बंटवारा नहीं हुआ होता, अगर नक्शे पर वो लकीर कभी खिंची ही न होती, तो आज हालात कैसे होते।

सबसे पहले तो पहचान पत्रों का हिसाब ही बदल जाता। आतंकी हाफिज़ सईद का परिचय होता—भारतीय नागरिक, आधार कार्ड से लिंक्ड मोबाइल नंबर सहित। दाऊद इब्राहीम, जो आज पाकिस्तान में आराम फरमा रहे हैं, वो भी कागज़ों पर भारतीय ही गिने जाते। और जो ओसामा बिन लादेन पाकिस्तानी ज़मीन पर मारे गए, वो भी हिन्दुस्तानी सरज़मीं पर मरे मान लिए जाते। शर्म की सूची और लंबी हो जाती।

फिर सोचिए, संसद का बजट सत्र कैसा होता। दिल्ली मांगती, सड़कें चाहिए। मुंबई मांगता, लोकल ट्रेनों की भीड़ कम करो। कोलकाता कहता, फैक्ट्रियां लगवा दो, रोज़गार दो। और उधर कराची से आवाज़ आती—भाई, बजट थोड़ा बढ़ाओ, इस बार असलहा भी ज्यादा चाहिए, बारूद का स्टॉक कम पड़ रहा है। लाहौर की मांग होती, पांच-सात परमाणु बम और बनाने का इंतज़ाम कर दो, पड़ोसी मुल्कों को डराना है। नतीजा यह होता कि कोलकाता मेहनत करके कमाता, कराची बैठे-बैठे खा जाता, और फिर शिकायत भी करता कि हमें हिस्सा कम मिला, भेदभाव हो रहा है।

आज का पाक देखिए तो दो चीज़ों के लिए मशहूर रह गया है, आतंकवाद और भीख। इन्हें उद्योग चलाने का पैसा दो, ये सप्लाई चेन आतंकवाद की बना देंगे। इन्हें लैपटॉप और तकनीक का बजट दो, ये उसे रॉकेट लॉन्चर बनाने में लगा देंगे। इन्हें रोज़गार योजना का फंड दो, ये उसे राइफल और गोली-बारूद में बदल देंगे। इन्हें स्टार्टअप के लिए सीड मनी दो, ये स्टार्टअप की जगह आतंक ही स्टार्ट कर देंगे। पैसा किसी भी मद में जाए, आखिर में निकलता बारूद की शक्ल में ही है।

परेश रावल की एक पुरानी फिल्म का डायलॉग था कि है, मैं तो तुझे बदमाश समझता था, पर तू तो देव माणुस निकला रे। आज यही बात जिन्ना साहब से कही जाए। तू तो सचमुच देव माणुस निकला। तूने अलग मुल्क बनाकर हमें इस झंझट से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया।

बंटवारे का दर्द अपनी जगह है, लाखों लोगों ने घर-बार, रिश्ते-नाते सब खोए, वह त्रासदी कभी भुलाई नहीं जा सकती। लेकिन आज पाकिस्तान की माली हालत, उसका दुनियाभर में भीख मांगता विदेश मंत्रालय, और आतंकवाद को पालने-पोसने की उसकी आदत देखकर लगता है, शायद उस बंटवारे ने हमें एक बड़ी मुसीबत से बचा लिया।

स्वतंत्रता दिवस पर यही सोचकर सुकून मिलता है कि जिन्ना साहब ने अनजाने में ही सही, हमारा बहुत बड़ा भला कर दिया।

भाषा का पतन और 'संवाद' का संकट

डॉ. संजय वर्मा

गाली अक्सर उस आक्रोश का विकृत रूप होती है जिसे सभ्य भाषा में अभिव्यक्ति का रास्ता नहीं मिलता। गाली का एक बड़ा पक्ष यह भी है कि इस शाब्दिक हिंसा के केंद्र में महिलाएं हैं। शायद यह हमारे पितृसत्तात्मक समाज की एक कुत्सित उपज है, जहां 90 प्रतिशत गालियां महिलाओं को निशाना बनाती हैं। यह हमारे परंपरागत 'स्त्री-रक्षा' और 'गरिमा' के सिद्धांत का प्रत्यक्ष उल्लंघन है।

शब्द केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि चेतना का विस्तार हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में 'वाक्' को दिव्य शक्ति और ब्रह्म का स्वरूप माना गया है। ऋग्वेद से लेकर छांदोग्य उपनिषद तक, भाषा की पवित्रता को सृजन और सत्य के आधार के रूप में स्थापित किया गया है। लेकिन मौजूदा दौर में, जब हिंदी-पट्टी से लेकर सार्वजनिक मंचों तक अभद्र भाषा व अपशब्दों की बाढ़ आ गई है, तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से नाता तोड़ लिया है? जब समाज का 'शब्द-कोष' भद्र से अधिक अभद्र की ओर झुकने लगे, तो वह केवल भाषाई गिरावट नहीं, बल्कि गहरे बौद्धिक और नैतिक पतन का संकेत है।

हाल ही में देश में पेपर लीक के विरोध में हुए बड़े छात्र प्रदर्शनों के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उन छात्रों को 'माफ करने' का बयान, जिसमें उन्होंने स्वयं को दी गई गालियों का संदर्भ दिया, इस बहस को एक नए मोड़ पर ले आता है। यह घटना सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि हमारे सार्वजनिक जीवन में गालियों के सामान्यीकरण को रेखांकित करती है। जब देश के शीर्ष पदों पर बैठे कुछ लोग और भविष्य की उम्मीद माने जाने वाले छात्र-दोनों एक ही भाषाई धरातल पर आ खड़े हों, तो चिंता स्वाभाविक है।

दरअसल, जब सार्वजनिक जीवन में नेता, राजनीतिक कार्यकर्ता, टीवी बहसें और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लगातार आक्रामक भाषा का इस्तेमाल करते हैं, तो युवाओं से शिष्ट भाषा की अपेक्षा करना कुछ हद तक विरोधाभासी हो जाता है। यदि विरोधी को तर्क के बजाय शाब्दिक अपमान से हराना राजनीतिक सफलता का संकेत बना दिया जाए, तो वही संस्कृति धीरे-धीरे विश्वविद्यालय और सड़क तक पहुंचेगी। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया। वहां सबसे संयमित वाक्य अक्सर सबसे कम वायरल होता है और सबसे उत्तेजक वाक्य सबसे अधिक प्रसारित। परिणाम यह कि संवाद की जगह प्रदर्शन, तर्क की जगह ट्रोलिंग और असहमति की जगह अपमान लेता जा रहा है।

संकट राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से परे, हमारे संवाद की संस्कृति का है जो 'शब्द ब्रह्म' के बजाय 'शब्द हिंसा' को प्राथमिकता दे रही है। मनोवैज्ञानिक व सामाजिक दृष्टि से गाली देने का एक बड़ा कारण 'दबदबा' साबित करना और विपक्षी को नीचा दिखाना होता है। समाज के ऊंचे-नीचे पायदानों के बीच, हमारे देश में गाली एक तरह का औपनिवेशिक अवशेष है। जिस तरह अंग्रेज अपनी भाषा के जरिए रौब जमाते थे, आज के दौर में एक वर्ग अपनी बात में वजन लाने को गालियां जोड़ता है। एक वर्ग अंग्रेजी में गालियां देता है, तो दूसरा वर्ग स्थानीय अपशब्दों का सहारा लेता है। दुर्भाग्य से, यह गालीखोर की ताकत नहीं, बल्कि शब्दों की दरिद्रता है। वैसे तो गाली का यह प्रचलन देश में चौतरफा है, लेकिन खासतौर से हिंदी-पट्टी में यह अब निजी बातचीत से निकलकर सोशल मीडिया, फिल्मों, ओटीटी प्लेटफॉर्म व युवा आंदोलनों तक पहुंच गई है।

हालांकि, हमें यह भी देखना चाहिए कि गाली पैदा कैसे और कहां से हुई? क्या वह केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कुंठा थी या उसके पीछे व्यवस्था के प्रति जमा हुआ कोई गहरा असंतोष भी था? गाली को

स्वीकार करना समाधान नहीं है। लेकिन गाली को सुनकर केवल गाली देने वाले को कठघरे में खड़ा कर देना भी पर्याप्त नहीं है। क्योंकि गाली अक्सर उस आक्रोश का विकृत रूप होती है जिसे सभ्य भाषा में अभिव्यक्ति का रास्ता नहीं मिलता। गाली का एक बड़ा पक्ष यह भी है कि इस शाब्दिक हिंसा के केंद्र में महिलाएं हैं। शायद यह हमारे पितृसत्तात्मक समाज की एक कुत्सित उपज है, जहां 90 प्रतिशत गालियां महिलाओं को निशाना बनाती हैं। यह हमारे परंपरागत 'स्त्री-रक्षा' और 'गरिमा' के सिद्धांत का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। इस पर भी जब महिलाएं भी समानता के नाम पर उन्हीं महिला-केंद्रित गालियों को अपनाती हैं, तो वे अपनी गरिमा को ऊंचा नहीं करतीं, बल्कि उसी पितृसत्तात्मक ढांचे को अनजाने में पोषित करती हैं।

यहां यह समझना आवश्यक है कि गाली के सभी रूप समान नहीं होते। हमारी लोक परंपराओं में होली के गीतों या शादी-ब्याह के 'गाली गीतों' में जो अपशब्द हैं, वह मर्यादाहीन नहीं, बल्कि 'लीला' और हास-परिहास का हिस्सा है। ब्रज की लठमार होली या मिथिला-बिहार के विवाह गीतों में प्रयुक्त शब्द 'स्वागत' और 'अपनापन' के प्रतीक हैं। वहां उद्देश्य अपमान करना नहीं, बल्कि सामाजिक बंधन हल्के करना है। इसके उलट, आज जो गालियां हम सुन रहे हैं, वे प्रताड़ना, अपमान और दबदबे के लिए हैं। यह संस्कृति के 'लालित्य' का नहीं, बल्कि 'कलुष' का विस्तार है।

भगवद्गीता (अध्याय 17, श्लोक 15) में वाणी की तपस्या का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि शब्द सत्य, प्रिय और हितकारी होने चाहिए। जो शब्द उद्वेग पैदा न करें, वही वास्तविक 'वाक्' है। भारतीय ज्ञान परंपरा में 'वाक्' को देवी के रूप में वर्णित किया गया है। ऋग्वेद और छांदोग्य उपनिषद के अनुसार, वाणी ही वह शक्ति है जो सृष्टि की रचना करती है और सत्य को प्रकट करती है। श्रीमद्भगवद्गीता (17.15) वाणी की तपस्या का सार बताती है : 'अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत्।' अर्थात्—ऐसे शब्द जो उद्वेग पैदा न करें, जो सत्य हों, प्रिय हों और हितकारी हों—यही वाणी का तप है। चाणक्य ने भी स्पष्ट किया था कि मधुर वाणी से ही लक्ष्मी प्रसन्न होती है और समाज का निर्माण होता है। हमारी विरासत हमें सिखाती है कि शब्द का प्रयोग शस्त्र की तरह नहीं, बल्कि प्रकाश की तरह होना चाहिए।

आज के जननायकों, मीडिया और युवाओं को यह समझने की जरूरत है कि भाषा आत्म-अभिव्यक्ति का साधन है, न कि विभेद का। यदि हम सेना या पुलिस की तरह यह तर्क देते हैं कि 'अपराधियों से निपटने के लिए गाली जरूरी है', तो यह केवल अपनी अक्षमता को छिपाने का बहाना है। क्या हम इतने कमजोर हो गए हैं कि भाषाई अभद्रता के बिना अपनी बात में दम पैदा नहीं कर सकते? असल में, गाली देने वाला व्यक्ति यह भूल जाता है कि 'कर्म' के सिद्धांत के अनुसार, वह नकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन कर रहा है, जो अंततः समाज को खोखला करती है। महात्मा गांधी ने अहिंसा को वाचिक स्तर तक विस्तार दिया था; उनके लिए कठोर शब्द भी एक प्रकार की हिंसा थी।

इस भाषाई कलुष को दूर करना रातों-रात संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षा प्रणाली में मानवीय मूल्यों को शामिल करना होगा, मीडिया को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी और नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सच्ची 'कूलनेस' अभद्र वाणी में नहीं, बल्कि शब्दों के संयम और स्पष्टता में है। हमें वापस उन मूल्यों की ओर लौटना होगा जहां 'सत्यं शिवं सुंदरम्' का मंत्र हमारी वाणी में गूंजता था। अन्यथा, गालियों की यह बाढ़ हमारी सांस्कृतिक विरासत को उस मोड़ पर ले आएगी, जहां हम सभ्य समाज कहलाने के अधिकार को खो देंगे। याद रहे, भाषा समाज का आईना होती है। अगर हम आज शब्दों का सम्मान करना भूल गए, तो कल आने वाली पीढ़ी हमसे संवाद के शिष्टाचार की उम्मीद कैसे रखेगी? समय आ गया है कि हम 'गाली' की इस बुरी आदत को ठुकराकर 'शब्द' की पवित्रता को पुनर्स्थापित करें।

लेखक मीडिया यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जिले में अब तक 567.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 17 अगस्त 2026 तक 567.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 690.2 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 419.2 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 638.3 मिमी, तहसील बोरी में 577.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 612.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 465.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 17 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 8.2 मिमी, तहसील धमधा में 1.8 मिमी, तहसील पाटन में 7.1 मिमी, तहसील बोरी में 1.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 8.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 6.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

निष्क्रिय निर्माण श्रमिक पंजीयन पोर्टल फिर खुला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, श्रम विभाग द्वारा प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। ऐसे निर्माण श्रमिक पंजीयन, जिनकी वैधता समाप्त हो चुकी है और दो वर्ष से अधिक अवधि से नवीनीकृत नहीं किए गए थे, उन्हें निष्क्रिय किया गया था। अब निर्धारित अवधि में नवीनीकरण से वंचित रह गए ऐसे सभी निष्क्रिय पंजीयनों के लिए पोर्टल पर नवीनीकरण का विकल्प पुन: खोल दिया गया है। सहायक श्रमायुक्त ने सभी पात्र निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे अपने निष्क्रिय पंजीयन का यथाशीघ्र नवीनीकरण कराएं।

भविष्य निधि के लंबित प्रकरणों के लिए 19 से शिविर

दुर्ग। महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी रायपुर द्वारा जारी निर्देशानुसार सामान्य भविष्य निधि से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला कोषालय अधिकारी दुर्ग कार्यालय में शिविर का आयोजन 19 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में सामान्य भविष्य निधि के लंबित ऋणात्मक शेष, फुलवांट/पार्टवांट क्रेडिट-डेबिट, गुमशुदा कटौती तथा डोरमेंट खातों से संबंधित प्रकरणों का निराकरण एवं आवश्यक सुधार किया जाएगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी जिला कोषालय दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इन प्रकरणों के निराकरण के लिए संबंधित अभिदाता के शेड्यूल एवं व्हाउचर की सत्यापित प्रति आवश्यक होगा। समस्त कार्यालय प्रमुख एवं आहरण-संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित प्रकरणों से जुड़े शेड्यूल एवं व्हाउचर की सत्यापित प्रतियां शिविर में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

पति को 17 बार लगाया कॉल, जब एक बार भी नहीं हुआ रिसीव तो पत्नी ने फांसी लगाकर दे दी जान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत उमरपोटी में एक महिला ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। फांसी लगाने से पहले उसने अपने पति को 17 बार फोन लगाया था पर पति ने एक बार भी कॉल रिसीव नहीं किया। बताया जाता है कि वह आधी रात को किसी दूसरी महिला के साथ घर से निकला था। फोन नहीं रिसीव होने पर उसने अपनी जान दे दी।

रवीना यादव 23 का विवाह करीब डेढ़ साल पहले विपुल यादव 27 के साथ हुआ था। विपुल अपने चाचा के यहां रहता था और प्लंबिंग का काम करता था। रवीना जौनपुर से थी।

14 अगस्त की रात को किसी अन्य महिला के घर पहुंचने को लेकर मृतका का अपने पति के साथ विवाद हुआ

था। खुदकशी के पहले मृतका ने अपने पति को करीब 17 बार फोन लगाया लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना दिनांक की रात रवीना और उसका पति घर में मौजूद थे। इसी दौरान एक महिला उनके घर पहुंच गई जिसे लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ। सूत्रों के मुताबिक विवाद के बाद विपुल ने रवीना को कमरे में बंद कर दिया और आगंतुक युवती के साथ कहीं चला गया। रात करीब 12 से दो बजे के बीच रवीना ने पति को करीब 17 बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसकी वजह से रवीना ने अपने घर के कमरे में पंखे से दुपट्टा बांधकर खुदकशी कर ली। घटना स्थल से पुलिस को किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है।

ऊंचाई पर सुरक्षित कार्य करना होगा अब आसान और सुरक्षित

बीएसपी के एसएमएस-3 में इनहाउस विशेषज्ञता से विकसित कर ली लांस जाम कटिंग कॉम्पलेक्स

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कार्यस्थल पर सुरक्षा को और सुदृढ़ करने तथा परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 में नवीन इन-हाउस लांस जाम कटिंग कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण 14 अगस्त को कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) बी. के. बेहरा द्वारा किया गया। यह सुविधा एसएमएस-3 के बीओएफ कॉम्प्लेक्स में बीओएफ-3 के पश्चात स्थित पुराने लांस कटिंग स्टैंड के समीप विकसित की गई है।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) जेपी सिंह एवं मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) प्रद्युम्न सतपथी, महाप्रबंधक (प्रचालन-प्रभारी) प्रमोद अग्रवाल, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं प्रशिक्षण) उमाशंकर परगनिहा, महाप्रबंधक (एसएमएस-3 कार्यालय) दिलीप वार्ष्णेय एवं महाप्रबंधक (मैकेनिकल) अजीत नारायण सहित एसएमएस-3 के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री बेहरा ने एसएमएस-3 की पूरी

टीम को इस पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने सुरक्षा के क्षेत्र में इन-हाउस तकनीकी विशेषज्ञता के प्रभावी उपयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास सुरक्षित एवं विश्वसनीय परिचालन के साथ-साथ लागत अनुकूलन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शॉप-फ्लोर की व्यावहारिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित यह पहल अन्य इकाइयों के लिए भी अनुकरणीय है।

नवीन कॉम्प्लेक्स को ऊंचाई पर किए जाने वाले लांस जाम कटिंग कार्य की प्रकृति एवं सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर कार्य प्लेटफॉर्म एवं आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों के साथ विकसित किया गया है। इससे लांस जाम कटिंग जैसी महत्वपूर्ण गतिविधि को अधिक सुरक्षित, नियंत्रित एवं सुविधाजनक तरीके से संपादित करने में सहायता मिलेगी।

इस पहल की प्रमुख विशेषता यह रही कि नवीन कॉम्प्लेक्स की संकल्पना से लेकर डिजाइन एवं निष्पादन तक का कार्य भिलाई इस्पात संयंत्र की इन-हाउस तकनीकी विशेषज्ञता एवं उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से किया गया। यह एसएमएस-3 की उत्कृष्ट अभियांत्रिकी क्षमता, नवाचार एवं आत्मनिर्भर कार्यशैली का परिचायक है।

कॉम्प्लेक्स का डिजाइन उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल) राकेश वृष्णवंशी ने सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (मैकेनिकल) संजीबा मिश्रा एवं महाप्रबंधक (मैकेनिकल) अजीत नारायण के मार्गदर्शन में तैयार किया। निष्पादन में वरिष्ठ प्रबंधक (मैकेनिकल) चंदन चतुर्वेदी, वरिष्ठ प्रबंधक (मैकेनिकल) अमृत अशुग पाल एवं उप प्रबंधक (मैकेनिकल) एनजे राव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पूरे प्रोजेक्ट के निष्पादन का कार्य मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा के मार्गदर्शन एवं महाप्रबंधक प्रद्युम्न सतपथी तथा महाप्रबंधक प्रमोद अग्रवाल की निगरानी एवं समन्वय में किया गया।

रिमझिम सावन मेला 21-22 अगस्त को, तैयारियां शुरू

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी रिमझिम सावन मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 21 एवं 22 अगस्त को प्रात: 11 बजे से शाम 7 बजे तक विवेकानंद भवन सभागार में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय मेले को लेकर नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम स्थल निरीक्षण के दौरान सांस्कृतिक प्रभारी हर्षिका संभव जैन, महिला एवं बाल विकास शशि साहू, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, पार्षद रंजीता पाटिल, लोकेश्वरी ठाकुर, सावित्री दमाहे, सुरूचि उमरे, सरिता चन्द्राकर, जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर मौजूद रहें।

महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त मोहेंद्र साहू ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। रिमझिम सावन मेला में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे।

इच्छुक नागरिक स्टॉल लगाने के लिए सुश्री चित्रलेखा चन्द्राकर के मोबाइल नंबर 8085289463 पर संपर्क कर सकते हैं। रिमझिम सावन मेला में 30 स्टॉल लगाए जाएंगे। 20 स्टॉल नागरिकों के होंगे।

बीएसपी में सुरक्षा सजगता पुरस्कारों का वितरण

भिलाई। बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग द्वारा लाइन ऑफ फायर एवं शून्य सहनशीलता नियमों पर केंद्रित सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यस्थल सुरक्षा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मियों को 'सुरक्षा सजगता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों को लाइन ऑफ फायर से जुड़े संभावित खतरों, कार्यस्थल पर सुरक्षित दूरी बनाए रखने, जोखिम की पहचान करने तथा असुरक्षित परिस्थितियों में कार्य को रोकने के संबंध में महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्देश दिए गए। साथ ही, शून्य सहनशीलता नियमों के अनिवार्य पालन पर विशेष जोर देते हुए श्रमिकों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों को अपनी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तुलाराम बेहरा तथा मुख्य महाप्रबंधक (एसईडी) पुष्पा एम्ब्रोस ने 37 कर्मचारियों को 'सुरक्षा सर्वोत्तम', 'सुरक्षा अनमोल' तथा 'सुरक्षा दक्ष' पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सम्मानित कर्मियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति सजगता और जिम्मेदार व्यवहार ही सुरक्षित कार्य संस्कृति की वास्तविक पहचान है।

मनवा कुर्मी समाज का तीज मिलन हर्षोल्लास से संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय महिला समाज, दुर्ग नगर इकाई द्वारा शंकर नगर स्थित सामाजिक भवन में महिला तीज मिलन समारोह का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साहित्यकार श्रीमती सुधा वर्मा, अध्यक्ष श्रीमती विद्या वर्मा तथा विशेष अतिथि श्रीमती चमेली वर्मा उपस्थित रहीं।

सावन महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में सामूहिक हाऊजी, विभिन्न गेम्स एवं सामूहिक नृत्य सहित अनेक मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं।

महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए आयोजन को यादगार बनाया। अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए

कहा कि उम्र के इस पड़ाव में भी महिलाओं द्वारा उत्साह के साथ नृत्य प्रस्तुत करना विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा।

इस वर्ष तीज मिलन समारोह में करीब 80 महिलाओं ने सहभागिता की, जिसमें पहली बार युवा महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। नगर इकाई एवं छात्रावास समिति के पदाधिकारियों सहित समाज की अनेक महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में अध्यक्ष कांति चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष सविता वर्मा, सचिव पुष्पा मंडरिक सहित सुमन, नलिनी, मीना, अन्नपूर्णा, किरण वर्मा, पुष्पा बघेल, जानकी वर्मा, शशि बघेल, नीता वर्मा, सपना वर्मा, अरुणा, तुलसी, लता, हेमलता, शशि, सपना, शांति, नेता, मीना सहित समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अटल स्मृति उद्यान में संघ के पूर्व प्रांत संचालक यादव ने किया राम मंदिर निर्माण के कारसेवकों का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न परम श्रद्धेय स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि 16 अगस्त के अवसर पर कैंप-2 स्थित गायत्री मंदिर मार्ग, भिलाई के स्व.अटल स्मृति उद्यान परिसर में रामभक्त कार सेवकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रांत चालक सम्माननीय बिसरा राम यादव व अन्य अतिथियों द्वारा रामभक्त कार सेवकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री यादव ने कहा कि वर्ष 1990 में उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार में अनेकों कार सेवक मारे गए थे।

दुबारा वर्ष 1992 में मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की सरकार थी उस समय बाबरी मस्जिद का ढांचा ढहाया गया था।

विशेष रूप प्रभुनाथ मिश्रा ने अटल जी के विराट राजनीतिक व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट आस्था और देश के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। अटलजी की ओजस्वी वाणी, राष्ट्रवादी सोच और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण आज भी भारत वासियों को प्रेरणा देता है।

सम्मान समारोह में अजय केडिया, अमर सोनकर, अशोक कुमार उपाध्याय, भागचंद जैन, बृजेश बिचपुरिया, बुधन सिंह ठाकुर, विष्णु चंद्राकर, देश दीपक सिंह, डॉ. बी. लक्ष्मी नारायण, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, लल्लन पाठक, पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रहलाद शर्मा, अतुल भेलोंडे, प्रवीण पांडे, प्रेम रतन गहलोत, राम आश्रय दुबे, राजमणि दुबे, रूपचंद अनुराग भोसले, एस.एन. सिंह, तोरण लाल सिन्हा, तेज बहादुर सिंह, त्रिलोचन सिंह, योगेंद्र सिंह, विनय शर्मा, विजय शर्मा, दिलीप नाहर एवं रवि नाहर,सुभाष पाण्डेय सहित अनेक कार सेवको का शाल व श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में गजेंद्र सिंह, डॉ. संजय तिवारी, अरविंद जैन, शिरीष अग्रवाल, पुरुषोत्तम टावरी और कन्हैया सोनी उपस्थित रहे।

जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न, सभी प्रकरण निराकृत

दुर्ग। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम-1995 एवं संशोधन नियम 2016 के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग एवं विशेष लोक अभियोजक की प्रथम त्रैमासिक बैठक का पालन प्रतिवेदन पर चर्चा, पुलिस विभाग द्वारा दर्ज प्रकरणों एवं विशेष लोक अभियोजक के न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा की गई।

द्वितीय त्रैमास अप्रैल 2026 से जून 2026 तक प्राप्त राहत प्रकरणों की समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास द्वारा प्रस्तुत विवरण के अनुसार इस अवधि में कुल 03 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 01 प्रकरण का निराकरण किया जा चुका है, जबकि 02 प्रकरण प्रक्रियाधीन है। इसी प्रकार उप पुलिस अधीक्षक आदिम जाति कल्याण द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार प्रथम त्रैमास में कुल 03 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें सभी 03 प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया। कोई भी प्रकरण लंबित नही है।

अक्टूबर 2025 से दिसम्बर 2025 तथा जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक प्राप्त राहत प्रकरणों की समीक्षा के दौरान विशेष लोक अभियोजक दुर्ग द्वारा न्यायालयीन प्रकरणों में की गई कार्रवाई और प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई।

प्रस्तुत विवरण के अनुसार अवधि में कुल 31 प्रकरण न्यायालयीन प्रक्रिया में है। इनमें से कोई प्रकरण निराकृत नहीं हुआ हैं। विभिन्न प्रकरणों में साक्षियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं तथा शेष साक्ष्य की प्रक्रिया जारी है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु राज्य स्तरीय बैठक

रायपुर। किशोरावस्था जीवन के उस महत्वपूर्ण दौर का हिस्सा है, जब शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास तेजी से होता है। इस अवस्था में स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और चुनौतियों की समय पर पहचान तथा उचित परामर्श और सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने की दिशा में पहल की जा रही है। विभाग द्वारा पहले से ही कई कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रोजेक्ट साहस के क्रियान्वयन में सहयोग और रणनीति तय करने के लिए सोमवार को नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में एक दिवसीय राउंड टेबल डिस्कशन आयोजित किया गया। किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग और कलेक्टिव्स फॉर इंटीग्रेटेड लाइवलीहुड इनिशिएटिव्स द्वारा प्रोजेक्ट साहस का संचालन किया जा रहा है। इसके माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की पहुंच को और व्यापक बनाया जाएगा।

एग्रीस्टेक परियोजना के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत जिले में आज 17 अगस्त से प्रारंभ हुए डिजिटल क्रॉप सर्वे (डिजिटल गिरदावरी) कार्य का अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा श्रीमती दिव्या पोटाई ने तहसील बेमेतरा के ग्राम मोहभट्ठा, हल्का नंबर 21 में मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सर्वेयरों द्वारा किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं गिरदावरी कार्य का अवलोकन किया तथा सर्वे की प्रक्रिया की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डिजिटल क्रॉप सर्वे से किसानों को होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने सर्वेयरों को निर्देशित किया कि प्रत्येक खेत में बोई गई वास्तविक फसल की स्थिति के आधार पर सटीक एवं त्रुटिरहित सर्वे किया जाए, ताकि डिजिटल गिरदावरी के आंकड़ों में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न्यूनतम रहे।

समन्वित कृषि से किसान राजैया पसपुल ने बदली खेती की तस्वीर

रायपुर। खेती के साथ पशुपालन, मछली पालन और बागवानी जैसी गतिविधियों को एक साथ जोड़कर आमदनी बढ़ाने और जोखिम कम करने का एक बेहतरीन तरीका है।छत्तीसगढ के बीजापुर जिले के गंगालूर तहसील के ग्राम चेरपाल निवासी किसान राजैया पसपुल, पिता एंकैया पसपुल ने आधुनिक और समन्वित कृषि को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में मिसाल पेश की है। लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले राजैया ने फसल उत्पादन के साथ मछली और मुर्गी पालन को भी अपनी कृषि गतिविधियों से जोड़ा है। इससे उनकी आय के स्रोत बढ़े हैं और खेती में आत्मनिर्भरता की राह मजबूत हुई है। राजैया खरीफ सीजन में लगभग 5 एकड़ में धान की खेती करते हैं। वे 1001, महामाया और 1010 जैसी उन्नत धान किस्मों का उपयोग कर रहे हैं। कृषि विभाग से प्राप्त बीज, खाद और माइक्रोन्यूट्रिएंट सहित अन्य सुविधाओं से उन्हें बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक सहयोग मिला है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से वनांचल क्षेत्र में आवागमन हुआ सुगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री जनमन योजना वनांचल एवं विशेष जनजातीय समूहों के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र में भी इस योजना के माध्यम से सड़क निर्माण कर ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाया जा रहा है।

बारहमासी पक्की सड़क से जुड़ी मंगतूपूरा से गुड़ली बैगापारा

इसी क्रम में मंगतूपूरा से गुड़ली बैगापारा तक 3 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण 1 करोड़ 92 लाख 90 हजार रुपए की लागत से किया गया है। पक्की सड़क बनने से ग्रामीणों के लिए आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम और सुरक्षित हुआ है।

विशेषकर बारिश के मौसम में आने-जाने में होने वाली परेशानियों से ग्रामीणों को राहत मिली है।

बोड़ला अंचल के तरेगांव क्षेत्र के ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से वनांचल क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिलने से अब दूरस्थ क्षेत्रों में भी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से बन रही यह सड़क वनांचल क्षेत्र में विकास और सुगम आवागमन की नई राह खोल रही है। पक्की सड़क से जुड़ाव बढ़ने के साथ ग्रामीणों के जीवन में सुविधा और विश्वास दोनों बढ़े हैं।

वनांचल क्षेत्र में सड़क जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध होने पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

गुड़ली बैगापारा से तरेंगांव जाने बना सुविधाजनक शॉर्टकट मार्ग

क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से गुड़ली बैगापारा से तरेंगांव जाने के लिए बेहतर पक्का शॉर्टकट मार्ग तैयार हो गया है। पहले बारिश के दिनों में कच्चे रास्तों के कारण आवागमन में काफी परेशानी होती थी। सड़क खराब होने के कारण दूरी तय करने में अधिक समय लगता था और ग्रामीणों को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब पक्की सड़क बन जाने से आवागमन आसान हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण से केवल आवागमन की सुविधा ही बेहतर नहीं हुई है, बल्कि इसका लाभ क्षेत्र के दैनिक जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने वाले लोगों को भी मिल रहा है।

मानव-हाथी सह-अस्तित्व की दिशा में जशपुर की अभिनव पहल 'गजरथ यात्रा' को मिली नई पहचान

मुख्यमंत्री साय ने कहा - जनसुरक्षा के साथ हाथियों और उनके प्राकृतिक आवास का संरक्षण हमारी प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के गृहग्राम बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जशपुर वनमंडल के जनजागरूकता अभियान पर आधारित पुस्तक 'गजरथ यात्रा-भाग 02' का विमोचन किया। यह पुस्तक मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने, हाथियों के संरक्षण और प्रभावित क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए जशपुर वनमंडल द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं अभिनव गतिविधियों का दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि जशपुर वन-संपदा और जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र है। यहां मानव और वन्यजीवों के बीच सुरक्षित सह-अस्तित्व सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हाथियों के प्राकृतिक व्यवहार और उनके विचरण क्षेत्रों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाकर मानव-हाथी द्वंद्व की घटनाओं को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा के साथ वन और वन्यजीवों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने 'गजरथ यात्रा' की सराहना करते हुए कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को जागरूक और सतर्क बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे प्रयासों में वन विभाग के साथ स्थानीय समुदायों की सक्रिय भूमिका मानव-हाथी सह-अस्तित्व को मजबूत बनाने में सहायक होती है। इस अभियान के माध्यम से हाथी प्रभावित गांवों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को हाथियों के प्राकृतिक व्यवहार, उनके आवास, भोजन और विचरण क्षेत्रों के संबंध में जानकारी दी जा रही है। लोगों को हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, उनकी उपस्थिति के दौरान अनावश्यक रूप से निकट नहीं जाने और आपात स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना देने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से हाथियों को लेकर प्रचलित भ्रांतियों और भय को दूर कर उनके प्रति वैज्ञानिक, संवेदनशील एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण समुदायों की सुरक्षा के साथ हाथियों के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए द्वंद्व की संभावनाओं को न्यूनतम करना है। जशपुर वनमंडल हाथियों की गतिविधियों की निगरानी और प्रभावित क्षेत्रों तक समय पर सूचना पहुंचाने के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग कर रहा है।

'राज संकेत' ऐप के माध्यम से हाथियों के विचरण और गतिविधियों की जानकारी मिलने पर संबंधित क्षेत्रों के ग्रामीणों तक मोबाइल संदेश के जरिए सूचना पहुंचाई जा रही है। समय पर मिलने वाली सूचना से ग्रामीणों को सतर्क रहने, आवश्यक सावधानी बरतने और हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवागमन से बचने में मदद मिल रही है।

नई पीढ़ी को भी वन्यजीव संरक्षण से जोड़ने की पहल

'गजरथ यात्रा' में विद्यालयों और विद्यार्थियों को विशेष रूप से जोड़ा जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को हाथियों के व्यवहार, जैव विविधता, वन एवं वन्यजीवों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में जानकारी दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी में वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और वैज्ञानिक सोच विकसित करना है, ताकि बच्चे न केवल स्वयं जागरूक हों, बल्कि अपने परिवार और समुदाय तक भी सुरक्षित व्यवहार एवं संरक्षण का संदेश पहुंचाएं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों का सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन, जनसुरक्षा और हाथियों के संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वन क्षेत्रों में कार्यरत मैदानी अमले की तत्परता और स्थानीय समुदायों के साथ उनका समन्वय मानव-वन्यजीव द्वंद्व को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कुपोषण पर भारी पड़ा प्रशासनिक समन्वय

'मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना' से मुस्कुराईं 88 बच्चों की जिंदगियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुपोषण जैसी गंभीर समस्या को दूर करने में मजबूत प्रशासनिक समन्वय और विभागों का आपसी तालमेल सबसे बड़ा हथियार साबित होता है, जिससे जमीनी स्तर पर योजनाओं का सही लाभ जरूरतमंद बच्चों और माताओं तक पहुंचता है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की माताओं की गोद में अब केवल ममता ही नहीं, बल्कि अपने बच्चों की बेहतर सेहत का भरोसा भी झलक रहा है। कुपोषण के खिलाफ शुरू की गई सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला प्रशासन की एक मुहिम अब जमीनी स्तर पर रंग लाने लगी है। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन और महिला एवं बाल विकास विभाग के निरंतर प्रयासों से जिले के 175 आंगनबाड़ी केंद्रों के 88 बच्चे कुपोषण के अंधकार से बाहर निकलकर पूरी तरह 'सुपोषित' श्रेणी में शामिल हो चुके हैं।

यह सफलता किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति की देन है। अभियान की शुरुआत जून 2026 में 'पोषण ट्रैकर एप' के आंकड़ों के गहन विश्लेषण से हुई। डेटा के आधार पर जिले के करीब 200 आंगनबाड़ी केंद्रों की पहचान की गई, जिन्हें मैदानी पर्यवेक्षकों के सत्यापन के बाद घटाकर 175 संवेदनशील केंद्रों में तब्दील किया गया। बच्चों की नियमित सेहत, खान-पान और फॉलो-अप को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को इन केंद्रों की सीधी जिम्मेदारी दी गई। वहीं, जिन 15 केंद्रों में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक थी, उनकी विशेष देख-रेख की कमान रेडक्रॉस सोसायटी को सौंपी गई।

अभियान को केवल कागजी औपचारिकताओं तक सीमित न रखकर बहुआयामी रूप दिया गया। अति गंभीर कुपोषित बच्चों को तुरंत चिह्नित कर पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) भेजा गया, जहां उन्हें चिकित्सकीय देख-रेख मिली।

इसके साथ ही, जगह-जगह 'बाल संदर्भ शिविर' लगाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और एनीमिया जैसी गंभीर समस्याओं के इलाज के लिए दवाएं व परामर्श दिए गए। प्रशासन यह अच्छी तरह जानता था कि कुपोषण से असली लड़ाई घर की रसोई से शुरू होती है।

सिहावल सागर एलीफेंट कैंप में गूंजा हाथी संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के सिहावल सागर एलीफेंट कैंप में विश्व हाथी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हाथियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, मानव-हाथी द्वंद्व को कम करना और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत एलीफेंट कैंप में मौजूद चारों हाथियों की पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। पूजा के बाद हाथियों को गुड़, केला, लड्डू और गन्ना खिलाकर उनका सत्कार किया गया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने हाथियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए शपथ ली।

हाथियों की देखभाल, सुरक्षा और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महावतों और 'हाथी मित्र दल' के सदस्यों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वन विभाग ने कहा कि मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में हाथियों की गतिविधियों की जानकारी समय पर पहुंचाने में स्थानीय समुदाय और हाथी मित्र दल की भूमिका महत्वपूर्ण है।

शपथ ग्रहण के बाद ग्रामीणों के साथ संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें हाथियों की पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका, वन संरक्षण तथा मानव-हाथी सह-अस्तित्व के विषय में जानकारी दी गई। ग्रामीणों को हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और हाथियों की गतिविधियों की सूचना वन विभाग को देने के लिए प्रेरित किया गया।

जलाशयों में लबालब पानी, दो साल के मुकाबले बेहतर स्थिति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की सक्रियता के बीच सिंचाई जलाशयों में जलभराव की स्थिति इस साल बेहतर है। जल संसाधन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 17 अगस्त 2026 की स्थिति में राज्य के 12 प्रमुख और 34 मध्यम जलाशयों को मिलाकर कुल 46 जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का 87.67 प्रतिशत पानी मौजूद है। जलाशयों की कुल लाइव क्षमता 6360.23 मिलियन घन मीटर (एमसीएम) है, जबकि वर्तमान में इनमें 5575.92 एमसीएम पानी भरा हुआ है।

खास बात यह है कि 17 अगस्त की स्थिति में इस साल जलाशयों में पानी का स्तर पिछले दो वर्षों की तुलना में बेहतर है। वर्ष 2025 में इन्हीं जलाशयों में क्षमता का 75.63 प्रतिशत पानी था, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 81.23 प्रतिशत था। इस तरह 2026 में जलभराव 2025 के मुकाबले 12.04 प्रतिशत अंक और 2024 के मुकाबले 6.44 प्रतिशत अंक अधिक है।

राज्य के 12 प्रमुख जलाशयों की कुल लाइव क्षमता 5355.709 एमसीएम है। इनमें वर्तमान में 4802.835 एमसीएम पानी है, जो 89.68 प्रतिशत है। वर्ष 2025 में इसी तारीख को प्रमुख जलाशयों में 81.15 प्रतिशत और 2024 में 75.86 प्रतिशत जलभराव था। यानी प्रमुख जलाशयों की स्थिति भी दोनों पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर है।

कई जलाशय 100 प्रतिशत भरे

कई जलाशयों में पानी उनकी लाइव क्षमता के लगभग बराबर पहुंच चुका है। प्रमुख जलाशयों में खारंग और मनियारी जलाशय 100 प्रतिशत, जबकि कोडार 99.26 प्रतिशत और मुरुमसिल्ली 89.42 प्रतिशत भरा हुआ है। मिनीमाता बांगो में 94.13 प्रतिशत, रविशंकर सागर में 85.63 प्रतिशत और सोंढूर में 89.59 प्रतिशत जलभराव हो चुका है।

मध्यम जलाशयों में भी कई जलाशय लगभग लबालब हैं। कोसारटेडा 99.80 प्रतिशत, घोंघा 100 प्रतिशत, झुमका 100 प्रतिशत, केदार नाला 99.98 प्रतिशत और पुतका नाला 100 प्रतिशत भरा हुआ है। वहीं सुतियापाट में 93.66 प्रतिशत और खपरी जलाशय में 85.19 प्रतिशत जलभराव है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो 17 अगस्त 2026 को 46 प्रमुख एवं मध्यम जलाशयों में कुल 5575.92 एमसीएम पानी है। 2025 में इसी तारीख को यह मात्रा 4810.07 एमसीएम थी। यानी इस साल करीब 765.85 एमसीएम अधिक पानी है। वहीं 2024 में 17 अगस्त की स्थिति में 5166.10 एमसीएम जलभराव था। इसके मुकाबले इस साल 409.82 एमसीएम अधिक पानी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से पुनर्वास तक, सुकमा में दिखी विकास की नई रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

चेन्नई के मीडिया अध्ययन दल ने देखा सुकमा का बदलता चेहरा, परिवहन, सुरक्षा, पुनर्वास और रोजगार से गांवों में बढ़ा भरोसा

रायपुर। सुकमा जिले में सुरक्षा के साथ विकास और जनकल्याण की योजनाएं अब बदलाव की नई तस्वीर सामने ला रही हैं। शासन की योजनाओं के जमीनी प्रभाव को समझने के लिए चेन्नई से आए मीडिया अध्ययन दल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), चेन्नई द्वारा आयोजित मीडिया परिचय यात्रा के तहत पीआईबी चेन्नई के डायरेक्टर अरुण कुमार पी. के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बस स्टैंड, तुंगल डैम, पुनर्वास केंद्र और मिनपा कैंप का दौरा किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और वन एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में शासन की योजनाओं को गांव-गांव और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन भी सुरक्षा, विकास, पुनर्वास और रोजगार के कार्यों को आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ा रहा है।

मीडिया दल ने शासन की पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणामों को भी करीब से देखा। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने बताया कि आत्मसमर्पित माओवादियों और नक्सल प्रभावित परिवारों को आवास सहित 29 से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

साथ ही उन्हें कौशल विकास और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मीडिया प्रतिनिधियों ने पुनर्वास नीति के माध्यम से प्रभावित परिवारों के जीवन में आए बदलावों और प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बस स्टैंड पर मीडिया दल ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत संचालित बसों का अवलोकन किया। प्रतिनिधियों ने ग्रामीण यात्रियों से बातचीत कर योजना से मिल रही परिवहन सुविधा के बारे में जानकारी ली।

ग्रामीण क्षेत्रों में बस सेवा की उपलब्धता से लोगों को बाजार, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिल रही है। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। प्रतिनिधिमंडल ने तुंगल कैफे में कार्यरत महिलाओं से भी संवाद किया। यहां पांच पुनर्वासित महिलाएं और नक्सल प्रभावित परिवारों की पांच सदस्य मिलकर कैफे का संचालन कर रही हैं।

सुरक्षा के साथ विकास की नई तस्वीर

मीडिया प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर से मुलाकात कर जिले में सुरक्षा व्यवस्था, विकास कार्यों और नक्सल प्रभाव से बाहर आ रहे क्षेत्रों में हो रहे बदलावों की जानकारी ली। एएसपी रोहित शाह ने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की संभावनाओं से भी अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में सुरक्षा के साथ विकास को प्राथमिकता देते हुए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पायर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'Male Co-stars कहते थे ये तो एक्टिविस्ट है'

इंडस्ट्री की सोच पर बोलीं दीया मिर्जा, 'महिलाओं को जज किया जाता है'

'इक्का' एक्ट्रेस दीया मिर्जा रेखी अक्सर अपने पॉलिटिकल और सोशल विचारों के लिए आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करने और इस वजह से मेल को-स्टार्स की तरफ से मिलने वाली जजमेंटल नजरिये के बारे में बात करती हैं।

दीया मिर्जा को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं और अभी वो बहुत अच्छा काम कर रही हैं। एक्ट्रेस पिछले महीने 'अल्फा' और 'इक्का' फिल्मों में नजर आईं और हाल ही में उन्हें 'ऑपरेशन सफेद सागर' सीरीज में देखा गया। ऑन-स्क्रीन काम के अलावा, दीया सोशल मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा था, जिसके चलते उनको आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा था। वहीं कुछ दिनों पहले उन्होंने क्लाइमेट चेंज को पितृसत्ता से जोड़ा था और क्लाइमेट चेंज के प्रति अपने बेटे के नजरिए के बारे में भी खुलकर बात की थी।

खुद की आलोचनाओं पर दीया मिर्जा

जब उनसे पूछा गया कि अपने विचारों पर होने वाली आलोचना से क्या वह कभी पीछे हटती हैं, तो दीया मिर्जा रेखी ने इस पर खुलकर जवाब दिया, जब मैं किसी को बोलते हुए सुनती हूं या कोई खबर पढ़ती हूं, तो हमेशा खुद से पूछती हूं कि इसके पीछे क्या मकसद है? और अगर मकसद अच्छा है, और यह अच्छी सोच से आया है, जैसे जानकारी देना, सिखाना, मदद करना और परवाह दिखाना, तो इससे मुझे बुरा नहीं लगता और न ही किसी और को बुरा लगना चाहिए।

लेकिन मुझे लगता है कि ज्यादातर लोगों ने ऐसा करना बंद कर दिया है। यह समझना बहुत जरूरी है कि जो कहा जा रहा है, उसका मकसद क्या है, और फिर शायद यह तय करना कि आप उससे बुरा मानना चाहते हैं या नहीं।

'आलोचना से मुझे असहज महसूस नहीं होता'

दीया ने आगे कहा, अब मुझे पता है कि जब मैं आवाज उठाती हूं और जिन चीजों के लिए मैं खड़ी रही हूं या जो कुछ भी मैंने कहा है, वो सब परवाह की भावना से आया है, न कि गुस्से या नफरत से। इसलिए, जब कभी विरोध या आलोचना होती है, तो मुझे असहज महसूस नहीं होता। असल में, मैं यह समझने के लिए उत्सुक रहती हूं कि अगर आलोचना हो रही है, तो वह मुझ पर क्यों हो रही है, यह कहां से आ रही है और इसकी जड़ क्या है? क्या यह स्पॉन्सर्ड है या असली? ऐसे कई मौके आए हैं जब मेरे बारे में तरह-तरह की बातें कही गई हैं, तरह-तरह के झूठ फैलाए गए हैं और उनमें से ज्यादातर स्पॉन्सर्ड रहे हैं। इसलिए, यह समझना हमेशा जरूरी है कि यह कहां से और क्यों आ रहा है।

एक्ट्रेस का मानना है कि जब महिलाएं किसी मुद्दे पर अपनी बात रखती हैं, तो पुरुषों की तुलना में उन्हें ज्यादा आंका जाता है। यह देखना दिलचस्प है कि जब कोई महिला किसी बात पर अपनी राय रखती है तो लोग बुरा मान जाते हैं, जबकि पुरुषों के साथ ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन शायद ऐसा इसलिए भी है क्योंकि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में महिलाओं से अक्सर खुलकर बोलने की उम्मीद नहीं की जाती या उन्हें इसकी इजाजत नहीं होती। यह पुरुष प्रधान सोच का असर है, और लोग इसे जिस तरह से लेते हैं या इस पर प्रतिक्रिया देते हैं, वह भी इंडस्ट्री के अंदर उसी सोच का नतीजा होता है।

'अरे, ये तो एक्टिविस्ट है, आंदोलन करने वाली है'

उन्होंने बताया, मेरे साथ कई ऐसे दिलचस्प वाकये हुए हैं जब मेरे साथ काम करने वाले मेल एक्टर्स ने कहा है, 'अरे, ये तो एक्टिविस्ट है, आंदोलन करने वाली है'। और उन्होंने यह बात तारीफ के तौर पर नहीं कही थी। बहुत से लोग अब यह समझ रहे हैं कि अपनी पोजीशन का इस्तेमाल करके आवाज उठाने वाले लोग बहुत कम हैं, और मुझे उम्मीद है कि ज्यादा से जयदा लोग ऐसा करेंगे।

'ऑपरेशन सफेद सागर' में दीया मिर्जा का है अहम किरदार

दीया मिर्जा की हालिया वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' इन दिनों चर्चा में है। यह सीरीज 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के ऑपरेशन और जवानों की बहादुरी की कहानी दिखाती है। सीरीज में दीया मिर्जा भी अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' फिलहाल Netflix पर स्ट्रीम हो रही है।

अल्लू अर्जुन ने की 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' की जमकर तारीफ, पोस्ट शेयर कर डायरेक्टर और एक्टर पर कही ये बात

महेश बाबू के बाद अब अल्लू अर्जुन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस एक्शन थ्रिलर की तारीफ की है। फिल्म देखने के बाद 'पुष्पा' स्टार ने सोशल मीडिया पर इसे 'तमिल क्लासिक' बताया और हर फिल्म प्रेमी से इसे देखने की अपील की।

अल्लू अर्जुन ने एक्स पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, 'डीसी देखी। यह एक तमिल क्लासिक है। हर फिल्म लवर को इसे जरूर देखना चाहिए। जो लोग इसे समझते हैं, उनके लिए यह कविता है।'

एक्टर ने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने खास तौर पर डायरेक्टर अरुण माथेश्वरन के काम की तारीफ करते हुए कहा कि फिल्म में उनके काम के लिए उन्हें सबसे ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए। अल्लू अर्जुन ने फिल्म के म्यूजिक की भी खूब तारीफ की। उन्होंने अनिरुद्ध रविचंदर को 'एब्सोल्यूट मास्टर बूस्टर' बताया। इसके अलावा उन्होंने फिल्म के तकनीकी पक्ष और कलाकारों के काम को भी सराहा। एक्टर ने वामिका गब्बी और फिल्म के लीड एक्टर लोकेश कनगराज की परफॉर्मेंस की भी तारीफकी। लोकेश को संबोधित करते हुए अल्लू अर्जुन ने उन्हें 'माय डायरेक्टर' कहा और अपना सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम बताया।

फिल्म 'डीसी' के बारे में

'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में लोकेश कनगराज , वामिका गब्बी , संजना कृष्णमूर्ति , थलईवासल विजय और बालाजी देवीप्रसाद अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। इसका डायरेक्शन अरुण माथेश्वरन ने किया है।

कौन हैं अभिनेत्री अनन्या राज? जिनके परिवार ने 1 महीने तक छुपाई उनके निधन की खबर

बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। 27 साल की एक्ट्रेस अनन्या राज अब इस दुनिया में नहीं रही हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि एक्ट्रेस का निधन एक महीने पहले ही हो गया था, लेकिन उनके परिवार ने इस खबर को अब तक छुपाकर रखा था। अब उन्होंने एक्ट्रेस के निधन की जानकारी उनके ही इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर करके दी है। कमेंट सेक्शन में फैंस अनन्या को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

एक्ट्रेस अनन्या राज का हुआ निधन

अनन्या राज के परिवार ने उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया और लिखा, 'ये अनन्या का परिवार है। बहुत दुख के साथ हमें ये बताना पड़ रहा है कि 15 जुलाई की सुबह-सुबह अनन्या का निधन हो गया। सोते हुए ही शांति से उन्होंने अंतिम सांस ली। पिछले एक साल से ज्यादा समय से वह शारीरिक और मानसिक तकलीफों से जूझ रही थीं। उन्होंने उनसे उबरने के लिए एक योद्धा की तरह संघर्ष किया।

अनन्या के परिवार ने आगे लिखा, वह बहुत मजबूत इरादों वाली लड़की थीं और एक रानी की तरह जीती थीं। बच्चा, तुम्हारी कमी बहुत खलेगी। हम आप सभी से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं। इस मुश्किल समय में हम अपनी निजता और शांति बनाए रखना चाहते हैं।

कौन हैं एक्ट्रेस अनन्या राज?

अनन्या राज एक इंडियन एक्ट्रेस हैं जो हिंदी और रीजनल सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। मुंबई में पली-बढ़ीं अनन्या ने फिल्मों और म्यूजिक वीडियो के साथ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखा था और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई थी। अनन्या राज कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आई हैं। उन्होंने साल 2016 में आई फिल्म '7 ऑवर्स टू गो' में शानदार काम किया था, साथ ही उन्होंने साल 2017 में आई फिल्म 'द फाइनल एग्जिट में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने साल 2019 में आई घोस्ट में काम कर ऑडियंस को एंटरटेन किया। इन फिल्मों के अलावा अनन्या ने कुछ वेब सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स में भी काम किया था।

हिंदी फिल्मों के अलावा, अनन्या राज ने रीजनल सिनेमा में भी खुद के लिए मौके तलाशे थे और वह तेलुगु फिल्म ठगड़े ले और तीन भाषाओं वाली फिल्म 'मद्रासी गैंग' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ी थीं। ठगड़े ले के लिए, अनन्या राज ने डायरेक्टर श्रीनिवास राजू की 2022 की तेलुगु सस्पेंस थ्रिलर में नवीन चंद्रा, दिव्या पिल्लई और पी. रविशंकर के साथ काम किया था।

बता दें, अनन्या काफी समय से इंडस्ट्री से गायब थीं और वह अपने सोशल मीडिया पर भी एक्टिव नहीं थीं। अब अनन्या की अचानक मिली निधन की जानकारी से उनके फैंस भी को भी गहरा सदमा लगा है। किसी को यकीन ही नहीं हो पा रहा है कि अनन्या इतनी जल्दी दुनिया छोड़कर चली जाएंगी।

'जहां से सब शुरू हुआ था, मैं वहीं वापस जाना चाहती थी'

प्रीति जिंटा ने शेयर की 'बंटवारा 1947' के लुक टेस्ट की फोटो

बंटवारा 1947 की लीड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने फिल्म की रिलीज से पहले शेयर की हामिदा के अपने रोल की एक फोटो करते हुए रूमी की कुछ पंक्तियां लिखी।

सिनेमाघरों में रिलीज 'बंटवारा 1947' से फिल्मों में वापसी कर रही एक्टेस प्रीति जिंटा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर फिल्म के किरदार हामिदा के लिए अपने लुक टेस्ट की एक फोटो शेयर की और लिखा कि वो वहां जाना चाहती थी जब ये सब शुरू हुआ था।

प्रीति जिंटा ने शेयर की 'बंटवारा 1947' के लुक टेस्ट की फोटो

मां बनने के बाद 'बंटवारा 1947' को लेकर बदली प्रीति जिंटा की सोच, बोलीं- विभाजन में महिलाओं की पीड़ा का हुआ एहसास, प्रीति जिंटा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो फोटो पोस्ट की, उसमें वो बॉर्डर वाली सिंपल साड़ी में बहुत ग्रेसफुल लग रही थीं। उन्होंने साड़ी के पल्लू से अपना सिर भी ढका हुआ था। उनके वेवी बाल और सोने की चूड़ियाँ उनके सिंपल लेकिन आकर्षक लुक को और बढ़ा रहे थे।

फोटो के साथ, प्रीति ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'बंटवारा 1947' की रिलीज से ठीक पहले, मैं वहीं वापस जाना चाहती थी जहां से सब शुरू हुआ था। यह फोटो लुक टेस्ट के दौरान ली गई थी, जहां मैंने हामिदा की पहली झलक देखी और महसूस की। अपने किरदार हामिदा के बारे में और बताते हुए उन्होंने कहा, मेरे लिए हामिदा को रूमी के इन मशहूर शब्दों से बहुत अच्छे से समझाया जा सकता है - 'अगर आस-पास सब कुछ अंधेरा लगे, तो फिर से देखो, हो सकता है कि रोशनी तुम ही हो।' 14 अगस्त को 'बंटवारा 1947' के लिए आप सभी से आपके नजदीकी थिएटर में मिलूंगी !

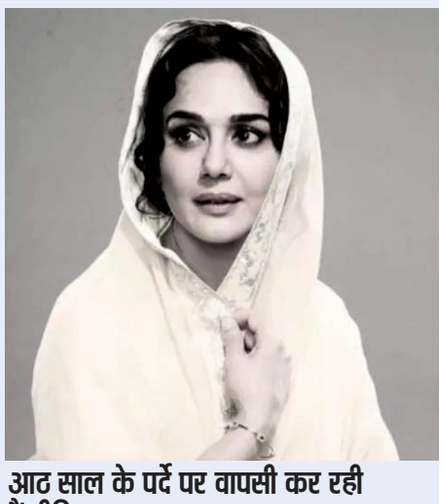

आठ साल के पर्दे पर वापसी कर रही हैं प्रीति

बता दें कि 'बंटवारा 1947' से प्रीति आठ साल के लंबे गैप के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी और आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले आमिर खान द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं, जबकि शबाना आज़मी, अली फजल और अभिमन्यु सिंह अहम भूमिकाओं में हैं।

1947 में भारत के बंटवारे के समय लाहौर की पृष्ठभूमि पर आधारित

कहा जा रहा है कि 'बंटवारा 1947' की कहानी असगर वजाहत के नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई' से प्रेरित है। यह एक मशहूर पंजाबी कहावत है, जिसका मतलब है - लाहौर घूमना इतना जरूरी है कि अगर आप यहां नहीं आए, तो ऐसा है जैसे आपका जन्म ही नहीं हुआ हो। बता दें कि मोस्ट अवेटेड बंटवारा1947 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

शाम होते ही क्यों महसूस होने लगती है एक कप चाय की तलब?

शाम होते ही अगर आप एक कप चाय की तलब महसूस करने लगते हैं तो यकीनन आप अकेले नहीं हैं। यह एक आम आदत है, लेकिन क्या आपने कभी इसके पीछे का कारण सोचा है? इस लेख में हम इस आदत के पीछे के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक कारणों को समझने की कोशिश करेंगे। साथ ही जानेंगे कि यह आदत आपकी दिनचर्या को कैसे प्रभावित कर सकती है और इसे कैसे स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है।

दिन का अंत करने का संकेत

शाम का समय अक्सर दिन की गतिविधियों का अंत करने का संकेत देता है। यह एक ऐसा समय होता है, जब हम अपने दिनभर के कामों को समेटते हैं और आराम करने की तैयारी करते हैं।

एक कप चाय पीने से मन और शरीर, दोनों को आराम मिलता है। यह एक तरह से मानसिक संकेत भी होता है कि अब वक्त है खुद के लिए थोड़ा समय निकालने का और दिनभर की भागदौड़ के बाद थोड़ी शांति पाने का।

सामाजिक जुड़ाव का मौका

शाम की चाय अक्सर परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर पी जाती है, जिससे आपस में जुड़ाव बढ़ता है। यह समय बिताने का एक अच्छा तरीका है, खासकर उन लोगों के लिए, जो दिनभर काम करते हैं और शाम को अपने परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताते हैं।

इस प्रकार चाय पीने का यह समय न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे आपसी संबंध मजबूत होते हैं और तनाव कम होता है।

आराम और शांति का अनुभव

शाम की चाय पीने से शरीर और मन, दोनों को आराम मिलता है। गर्म तरल पदार्थ पीने से शरीर को ठंडक महसूस होती है और मन शांत होता है।

यह आदत खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होती है, जो दिनभर की भागदौड़ में थके-हारे होते हैं। चाय की गर्माहट और इसकी ताजगी भरी खुशबू मन को सुकून देती है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है।

इससे आप रातभर की नींद के लिए तैयार हो जाते हैं।

सेहत के फायदे

चाय में मौजूद फायदेमंद तत्व सेहत के लिए अच्छे होते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन सुधारने और ऊर्जा देने में मदद कर सकते हैं।

इसलिए, शाम की चाय पीना न केवल आरामदायक होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर को ताजगी प्रदान करते हैं और दिनभर की थकान मिटाते हैं।

इसके अलावा यह मानसिक शांति भी प्रदान करती है, जिससे आप रातभर की अच्छी नींद ले सकते हैं।

मानसिक संतुलन बनाए रखना

शाम की चाय पीने से मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। यह आदत तनाव कम करने और मानसिक शांति पाने में सहायक है।

नियमित रूप से चाय पीने से व्यक्ति अधिक सकारात्मक महसूस करता है और उसकी सोच स्पष्ट होती जाती है। इस प्रकार शाम की चाय न केवल एक साधारण पेय है, बल्कि जीवनशैली और मानसिक सेहत पर गहरा प्रभाव डालती है।

इसे अपनाकर हम अपने जीवन को अधिक संतुलित और स्वस्थ बना सकते हैं।

खास-खबर

मिट्टी की बोतलें वितरित कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मुंगेली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय मुंगेली में पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्लास्टिक मुक्त अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से एकल-उपयोग प्लास्टिक एवं डिस्पोजल सामग्री के उपयोग को हतोत्साहित करते हुए प्लास्टिक हटाएं, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य बचाएं का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिजा देवी मेरावी सहित कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश तथा अन्य न्यायाधीशगण की गरिमामयी उपस्थिति में न्यायालयीन अधिकारी-कर्मचारियों को मिट्टी से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल पानी की बोतलों का वितरण किया गया। इस पहल के माध्यम से प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर स्थानीय, पर्यावरण हितैषी एवं पुनः उपयोग योग्य विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम सभाओं के हाथों में होगी जंगलों के प्रबंधन की कमान

धमतरी। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन और सतत उपयोग में स्थानीय समुदाय की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में धमतरी जिले में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। ग्राम सभाओं को उनके सामुदायिक वन संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपते हुए वन संरक्षण को ग्रामीण आजीविका और स्थानीय विकास से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। बैठक में जिला पंचायत एवं समिति के सदस्य टीकाराम कंवर, अजय ध्रुव, श्रीमती गरिमा नेताम एवं डीएफओ श्रीकृष्ण जाधव, उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व के डीएफओ वरुण जैन, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री विमल साहू सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में आज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सामुदायिक वन संसाधन क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित हुई।

नमो ड्रोन दीदी आरती साहूः ड्रोन से साकार हुआ आत्मनिर्भरता का सपना

रायपुर। बलौदाबाजार के विकासखंड सिमगा के ग्राम रानीजरौद की आरती साहू आज नमो ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। पिछले दो वर्षों से आरती ड्रोन के जरिए किसानों के खेतों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव कर रही हैं। प्रति एकड़ 300 रुपये की दर से सेवा देकर वह न केवल किसानों का समय और मेहनत बचा रही हैं, बल्कि खुद भी आर्थिक रूप से सशक्त होकर लखपति दीदी बनने की राह पर आगे बढ़ रही हैं। आरती साहू बताती हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने करीब 1154 एकड़ क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों का छिड़काव किया, जिससे उन्हें लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की आमदनी हुई।

अपनी माटी और खेती-किसानी से मुख्यमंत्री साय का आत्मीय जुड़ाव

गृहग्राम बगिया में सुबह खेत पहुंचे मुख्यमंत्री, बैलों के साथ हल चलाकर की बियासी, हल की मूठ थामते ही जीवंत हुईं खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी स्मृतियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अपनी माटी और खेती-किसानी से गहरा जुड़ाव एक बार फिर देखने को मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सुबह जशपुर जिले के अपने गृहग्राम बगिया में खेत पहुंचे और पारंपरिक रूप से बैलों की जोड़ी के साथ हल चलाकर बियासी की। खेत में उतरकर हल की मूठ थामे मुख्यमंत्री साय सहज ही एक किसान की भूमिका में नजर आए।

इस दौरान उन्होंने खेती-किसानी से जुड़ी अपनी पुरानी स्मृतियों को भी साझा किया। मुख्यमंत्री साय ने हरे-भरे खेत में मिट्टी की सौंधी सुगंध और बैलों के साथ खेती करते हुए कहा कि अपने गांव, अपनी माटी और अपने खेत से जुड़ाव का सुख ही अलग है। हल की मूठ थामते ही खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी स्मृतियां एक बार फिर जीवंत हो उठती हैं। खेतों के बीच बिताया समय मन को असीम सुकून देने के साथ नई ऊर्जा से भर देता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और बचपन से खेती-किसानी को बहुत करीब से देखा और अनुभव किया है। खेती उनके लिए केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है। गांव और खेतों ने ही उन्हें श्रम का सम्मान करना, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना सिखाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की माटी, मेहनतकश किसानों और समृद्ध कृषि परंपराओं से जुड़ी हुई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। पीढ़ियों से हमारे किसान अपने परिश्रम से धरती को सींचते हुए प्रदेश की समृद्धि की नींव मजबूत करते आए हैं। छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार, परंपराएं और ग्रामीण जीवन भी कृषि से गहराई से जुड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी अपनी परंपराओं और जड़ों से जुड़ाव बनाए रखना महत्वपूर्ण है। खेती हमें परिश्रम, धैर्य और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है। किसान खेत में केवल फसल नहीं उगाता, बल्कि अपने श्रम से पूरे समाज के जीवन और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी संबल देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी, हमारी समृद्ध कृषि परंपरा और हमारे मेहनतकश अन्नदाता किसान सदैव उनके हृदय के सबसे करीब हैं। किसानों की खुशहाली और कृषि की समृद्धि ही प्रदेश की समृद्धि का मजबूत आधार है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों के परिश्रम को नमन करते हुए उनके जीवन में खुशहाली तथा खेतों में भरपूर फसल की कामना की।

खेती से मुख्यमंत्री का रहा है पुराना नाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जीवन ग्रामीण परिवेश और खेती-किसानी से गहराई से जुड़ा रहा है। सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच जब भी उन्हें अवसर मिलता है, वे अपने गांव, खेत और ग्रामीण परिवेश से जुड़कर आत्मीयता का अनुभव करते हैं। आज सुबह गृहग्राम बगिया के खेत में बैलों के साथ हल चलाते मुख्यमंत्री की सहजता में अपनी माटी और कृषि परंपरा के प्रति उनका यही गहरा लगाव दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री साय ने नागपंचमी पर श्री फलेश्वरनाथ महादेव की पूजा-अर्चना की

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति के लिए की मंगलकामना...

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सावन मास की पुण्य बेला और नागपंचमी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय एवं परिवार के सदस्यों के साथ गृहग्राम बगिया स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का अभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली के साथ छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

मैनी नदी के सुरम्य तट पर स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में 17 से 19 अगस्त तक एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग के निर्माण एवं पूजन का तीन दिवसीय विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय एवं कौशल्या साय ने श्रद्धालुओं के साथ अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और विधि-विधान से पूजन एवं अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को नागपंचमी एवं पवित्र सावन मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर है। भगवान भोलेनाथ लोकमंगल और कल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने कामना की कि महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार पर बनी रहे, हमारे अन्नदाता किसानों के खेत-खलिहान समृद्ध हों और प्रदेश में सुख, शांति एवं खुशहाली निरंतर बढ़ती रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति और परमात्मा के प्रति श्रद्धा का अद्भुत समन्वय है। नदियां, वन, पर्वत और जीव-जगत हमारी आस्था एवं जीवन परंपरा के अभिन्न अंग हैं। सावन के पवित्र महीने में शिव आराधना हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, लोककल्याण और सेवा का संदेश देती है।

तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर सहित आसपास के क्षेत्र में उत्साह और भक्तिमय वातावरण है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। आयोजन के दौरान पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन, अभिषेक, आरती, पूर्णाहुति और प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। प्रथम दिन 17 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग निर्माण के साथ पूजन-अभिषेक, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

18 अगस्त को भी पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन एवं अभिषेक के बाद आरती और प्रसाद वितरण होगा। तीन दिवसीय अनुष्ठान का समापन 19 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं विशेष पूर्णाहुति के साथ होगा।

नई दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से आत्मीय भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से आत्मीय भेंट एवं सौजन्य मुलाकात हुई।

इस दौरान छत्तीसगढ़ से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग बोर्ड के अध्यक्ष नेहरू निषाद एवं निषाद समाज बीजापुर के जिला अध्यक्ष कोमल निषाद भी उपस्थित रहे। माननीय मंत्री जी का मार्गदर्शन एवं सहयोग सदैव प्रेरणादायी है।

स्थानीय संसाधन और महिलाओं के कौशल से बन रही आकर्षक राखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राखी त्यौहार को लेकर तैयार हैं लोकल उत्पादभाई बहन के प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक रक्षा बंधन का त्यौहार अब आने को है। इसे लेकर स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने बड़ी संख्या में लोकल उत्पाद तैयार किए हैं और यह कोरिया वासियों के लिए बाजार में भी उपलब्ध हैं। रक्षाबंधन पर्व को लेकर ब्लॉक बैकुंठपुर की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगंवा की प्रगति महिला समूह एवं ग्राम पंचायत आमगांव की बजरंग महिला समूह की दीदियों द्वारा अपने हुनर और रचनात्मकता से आकर्षक एवं डिजाइनर राखियां तैयार की जा रही हैं। दीदियों द्वारा निर्मित उत्पाद मुख्यालय बैकुंठपुर के स्थानीय बाजार में विक्रय हेतु उपलब्ध है। स्व सहायता महिला समूहों की दीदियां धान, चावल, स्टोन ,रेसीन जैसी सामग्रियों का उपयोग कर सुंदर एवं आकर्षक राखियां बना रही हैं। इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति के साथ स्थानीय संसाधनों और महिलाओं की कला-कौशल का अनूठा मेल देखने को मिल रहा है। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेंद्र श्रीवास ने बताया कि राखियों को तैयार करने का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि करना और स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है।

सरगुजा और बस्तर संभाग में डेयरी विकास को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (सीजीसीडीएफ) की राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में डेयरी क्षेत्र का समग्र विकास, दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि, महिला दुग्ध उत्पादकों की भागीदारी बढ़ाना और दुग्ध संग्रहण व विपणन अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करना रहा।

बस्तर संभाग के सात जिलों में बड़ी संख्या में ग्रामीण व अनुसूचित जनजाति परिवार पशुपालन से जुड़े हैं। क्षेत्र में लगभग 88: गायें स्थानीय नस्ल की हैं। दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने के लिए पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य, नस्ल सुधार और वैज्ञानिक प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है।

एनडीडीबी के सहयोग से जून 2025 से सरगुजा संभाग के जशपुर (2 हजार लीटर क्षमता) और बलरामपुर (5 हजार लीटर क्षमता) में चिलिंग सेंटर शुरू किए गए हैं। वर्तमान में 45 मिल्क कलेक्शन सेंटर्स के माध्यम से रोजाना लगभग 3,500 लीटर दूध एकत्र किया जा रहा है, जिससे 1500 से अधिक महिला उत्पादक जुड़ी हैं। परियोजना के तहत दुग्ध उत्पादकों के बिल का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जा रहा है, जिससे महिलाओं को नियमित आय मिल रही है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। बैठक में पिछली बैठकों की कार्रवाई रिपोर्ट, मानव संसाधन चुनौतियों, भौतिक-वित्तीय प्रगति और डेयरी समग्र विकास योजना की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, वित्त एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव सहित आयुक्त सहकारिता रमेश कुमार शर्मा सहित राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के अधिकारी एवं सहकारी विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और फेडरेशन के अन्य सदस्य शामिल हुए।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की संवेदनशील पहल, अविनाश को मिला नया जीवन

स्वस्थ होकर मुख्यमंत्री से मिले अविनाश, कहा - मुश्किल समय में मिली मदद ने बदल दी जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार कर रही है। बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के साथ ही गंभीर बीमारी से जूझ रहे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए भी लगातार सहायता दी जा रही है। इसी संवेदनशील पहल से फरसाबहार विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी 21 वर्षीय अविनाश नायक का रायपुर के डीकेएस अस्पताल में सफल उपचार संभव हो सका है।

स्वस्थ होने के बाद अविनाश आज मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया पहुंचे और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अविनाश ने मुख्यमंत्री को बताया कि उपचार के बाद उनकी स्थिति में काफी सुधार आया है और अब वे पहले की तुलना में कहीं अधिक सहजता से चलने-फिरने के साथ अपने दैनिक कार्य कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उनके स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की।

अविनाश नायक को जन्म से ही बाएं पैर के अंगूठे और एक अन्य अंगुली में मांसपेशियों एवं हड्डी के असामान्य रूप से बढ़ने की समस्या थी। उम्र बढ़ने के साथ यह परेशानी भी बढ़ती गई। इससे उन्हें चलने-फिरने और रोजमर्रा के काम करने में कठिनाई होने लगी। उपचार की आवश्यकता होने के बावजूद परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति उनके सामने सबसे बड़ी बाधा बनी हुई थी।

कुछ वर्ष पूर्व अविनाश ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में चिकित्सकों से संपर्क किया। जांच के बाद चिकित्सकों ने बेहतर उपचार एवं ऑपरेशन के लिए किसी बड़े चिकित्सा संस्थान में जाने की सलाह दी। परिवार के लिए इलाज और ऑपरेशन का खर्च वहन करना संभव नहीं था। ऐसे में बेहतर उपचार की उम्मीद लिए अविनाश ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में अपनी समस्या बताते हुए सहायता के लिए आवेदन किया।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने अविनाश की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनके उपचार के लिए तत्काल आवश्यक पहल की। उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रायपुर भेजा गया, जहां डीकेएस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार और ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। सफल उपचार ने अविनाश के जीवन की एक बड़ी परेशानी दूर कर दी है। लंबे समय से जिस शारीरिक समस्या के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, उससे अब काफी राहत मिली है। वे सामान्य दिनचर्या की ओर लौट रहे हैं। अविनाश की कहानी इसी संवेदनशील व्यवस्था का उदाहरण है। आर्थिक अभाव के कारण जिस युवक का उपचार लंबे समय से नहीं हो पा रहा था।

आर्थिक स्थिति कमजोर थी, मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बना सहारा

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान अविनाश ने भावुक होकर बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे किसी बड़े अस्पताल में जाकर अपना उपचार करा सकें। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन देने के बाद उनकी समस्या पर गंभीरता से पहल हुई और रायपुर के डीकेएस अस्पताल में सफल उपचार कराया गया। कठिन समय में मिली इस सहायता ने उन्हें बड़ी परेशानी से मुक्ति दिलाई है।

जरूरतमंदों के लिए उम्मीद और विश्वास का केंद्र बना कैंप कार्यालय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बीमारी और अन्य कठिन परिस्थितियों में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में संवेदनशीलता के साथ पहल की जा रही है।

नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक

मुंगेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वावधान में आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला न्यायालय में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में 17 अगस्त को जिला न्यायालय परिसर स्थित मीटिंग हॉल में बैठक आयोजित की गई। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सुलह के माध्यम से त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने विभिन्न विभागों एवं न्यायालयों में लंबित तथा प्री-लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों की पहचान कर पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से विवाद समाप्त करने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।

खास खबर

बटनदार चाकू के साथ आरोपी और विधि से संघर्षरत बालक पकड़े गए

बिलासपुर। तोरवा पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान शंकर नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए धारदार बटनदार चाकू रखने वाले एक युवक और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो नग स्टील के बटनदार धारदार चाकू जब्त किए हैं। शंकर नगर, तोरवा के पास दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 02 नग बटनदार धारदार चाकू बरामद हुए। पूछताछ एवं जांच के बाद एक की पहचान सुमीत कुर्मी, उम्र 22 वर्ष, निवासी शंकर नगर, बांबे आवास, तोरवा, बिलासपुर के रूप में हुई। दूसरा व्यक्ति विधि से संघर्षरत बालक पाया गया, जो हेमूनगर, तोरवा, बिलासपुर का निवासी है। मुख्य आरोपी सुमीत कुर्मी के विरुद्ध थाना तोरवा में अपराध क्रमांक 438/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

शांति भंग करने वाले गुंडा बदमाश के विरुद्ध कार्रवाई

राजनांदगांव। थाना लालबाग पुलिस ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शांति भंग करने वाले एक गुंडा बदमाश के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। 17 अगस्त 2026 को थाना लालबाग पुलिस को सूचना मिली कि देवेश यादव, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम रामपुर, थाना लालबाग, जिला राजनांदगांव पेंड्री स्थित अटल आवास में जाकर स्थानीय लोगों के साथ वाद-विवाद कर रहा है और शांति भंग कर रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अनावेदक को संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया। इसके साथ ही उसके विरुद्ध धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए इस्तगासा तैयार किया गया।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रामनगर गुढ़ियारी निवासी ठाकुर राम साहू टाइल्स फिटिंग का काम करता है। 15 अगस्त 2026 को उसका रूपेश दास मानिकपुरी उर्फ सोनू और मोहन दास मानिकपुरी के साथ विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों ने उसे बाद में देख लेने की धमकी दी थी। 16 अगस्त की रातप्रार्थी खाना खाने के बाद अपने घर से बाहर निकला। इसी दौरान रूपेश दास मानिकपुरी उर्फ सोनू और मोहन दास मानिकपुरी वहां पहुंचे और अश्लील गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रार्थी द्वारा विरोध करने पर दोनों ने अपने पास रखे धारदार हथियार से उसकी हत्या करने की नीयत से वार कर उसे गंभीर चोट पहुंचाई और मौके से फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट पर थाना गुढ़ियारी में आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं चौकी प्रभारी रामनगर के नेतृत्व में रामनगर पुलिस की टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

बर्फ फैक्ट्री से तांबा पाइप चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। चौकी पोड़ी पुलिस और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने बर्फ फैक्ट्री से तांबा पाइप चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 किलो 800 ग्राम तांबा पाइप और चोरी में इस्तेमाल किया गया कटर, कुल कीमत करीब 20 हजार रुपये, बरामद कर जब्त किया है। मुखबिर सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस ने अपराध में संलिप्तता पाए जाने पर दोनों आरोपियों को 17 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया। इसके बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

बिलासपुर में 102 किलो खराब बर्फी सीजः खाद्य प्रशासन ने पवन-ट्रेडर्स और गुरुकृपा ट्रेडर्स में की छापेमारी

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर समेत प्रदेश भर में रक्षाबंधन के पहले खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग ने 'बने खाबो बने रहिबो' अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर के मिठाई दुकान और खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान व्यापार विहार स्थित पवन ट्रेडर्स में जांच के दौरान बर्फी का लेबल मानकों के अनुरूप नहीं मिलने पर 23 कार्टून करीब 102 किलो बर्फी सीज की गई। वहीं, शनिचरी के गुरु कृपा ट्रेडर्स में भी खाद्य सामग्री की जांच की गई।

खाद्य-औषधि प्रशासन के डीओ आरआर देवांगन ने बताया कि राज्य शासन ने प्रदेश में नकली पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके बाद लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही शासन ने एक सप्ताह तक बने खाबो-बने रहिबो अभियान शुरू किया है, जिसमें रक्षाबंधन से पहले सभी खाद्य सामग्री और मिठाई दुकानों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को 7 दिवसीय अभियान के तहत व्यापार विहार स्थित फर्म पवन ट्रेडर्स में जांच कर बर्फी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। यहां 23 कार्टन में रखे 102 किलो बर्फी को सीज कर दिया गया है। बर्फी की क्वालिटी खराब और नकली थी। इसी तरह शनिचरी बाजार स्थित गुरु कृपा ट्रेडर्स की जांच की गई, जहां मद्रास का मशहूर स्पेशल खस्ता मिठाई का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। यहां लेबल में कमी के आधार पर मिथ्याछाप का प्रकरण बनाया गया।

उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन को देखते हुए जिले में मिठाई, पनीर, खोवा और अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित जांच की जा रही है। इस अभियान के तहत मिठाई विक्रेताओं के साथ निर्माण फर्मों की भी जांच कर नियमों के उल्लंघन पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे-ट्रैक के किनारे जुए विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या, जांच में खुला राज

ट्रेन हादसा मान रही थी पुलिस, 3 नाबालिग समेत 4 हिरासत में

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में जुए में हार-जीत के पैसों को लेकर हुए विवाद के बाद 19 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने वारदात के बाद शव को रेलवे ट्रैक के किनारे छोड़ दिया, ताकि हत्या को ट्रेन हादसा बताया जा सके। मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग समेत 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के गोगांव का है। पुलिस के मुताबिक, अशोक नगर निवासी प्रीतम साहू (19) नड्डा बेचने का काम करता था। वह पिछले दो दिनों से काम पर नहीं जा रहा था। सोमवार को गोगांव अंडरब्रिज के पास रेलवे ट्रैक किनारे उसका शव मिला। शव की हालत देखकर लोगों ने इसे ट्रेन हादसा समझकर पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक का एक पैर कटा हुआ था और उसके कपड़े खून से सने थे। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान होने पर परिजनों को घटना की सूचना दी गई।

पैसों को लेकर हुआ था विवाद

पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की तो मामले में नया मोड़ सामने आया। जांच में पता चला कि प्रीतम को आखिरी बार रेलवे ट्रैक के पास कुछ युवकों के साथ जुआ खेलते हुए देखा गया था। इसी दौरान हार-जीत के पैसों को लेकर उनके बीच विवाद हुआ था। पुलिस को आशंका है कि विवाद बढ़ने के बाद आरोपियों ने प्रीतम पर चाकू से हमला कर दिया। हत्या के बाद शव को रेलवे ट्रैक के किनारे छोड़ दिया गया, ताकि मामला दुर्घटना का लगे। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए तीन नाबालिग और एक युवक से पूछताछ कर रही है।

अगस्त के 15 दिनों में 9 हत्याएं

अगस्त के 15 दिनों में ही शहर में 9 लोगों की हत्या हो चुकी है। इनमें से 6 हत्याएं प्रेम संबंधों को लेकर हुए विवाद के चलते हुई हैं। वहीं, पिछले साढ़े पांच सालों में रायपुर कमिश्नरेट और ग्रामीण क्षेत्र में हत्या के 409 मामले दर्ज किए गए हैं। इस महीने खमतराई और मुजगहन थाना क्षेत्र में दो-दो, जबकि अभनपुर, सरस्वती नगर, गंज, आमानाका और गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में एक-एक हत्या की घटना सामने आई है।

लड़की की आवाज निकाल शादी का झांसा, मामा-भांजा गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर। मैट्रिमोनियल साइट्स और फोन के जरिए शादी का रिश्ता तय कराने का झांसा देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। आरोपी इतने शातिर थे कि ब्लूटूथ और विशेष हेडफोन की मदद से लड़की की आवाज निकालकर युवकों को अपने जाल में फंसाते थे। जांजगीर-चांपा पुलिस और साइबर सेल की टीम ने मामले में मामा-भांजे को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियों में मुख्य सरगना लक्ष्मीनारायण उर्फ लाला साहू (26) और उसका भांजा सोनू साहू (20) शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से दो मोबाइल, वॉयस चेंजिंग हेडफोन, व्हाट्सऐप चैट के दस्तावेज और 'पवित्र रिश्ता डॉट कॉम' के फ्लेक्सी-पंपलेट बरामद किए हैं। मामले का खुलासा शिकायतकर्ता अजय राठौर की साइबर थाने में दर्ज रिपोर्ट के बाद हुआ। 8 अगस्त को एक अज्ञात व्यक्ति अजय के पास पहुंचा और इमरजेंसी का हवाला देकर तत्काल इलाज के लिए नकद रुपए की जरूरत बताई। उसने अजय के बैंक खाते में 2 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर उनसे नकद ले लिया। तीन-चार दिन बाद अजय का बैंक खाता होल्ड हो गया। जांच में पता चला कि सोनू साहू नाम की यूपीआई आईडी से ट्रांसफर की गई रकम साइबर ठगी से जुड़ी थी। तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वर्ष 2025 से इस फर्जीवाड़े में सक्रिय थे। वे 'पवित्र रिश्ता डॉट कॉम' नाम से प्रचार-प्रसार करते थे। कोई व्यक्ति रिश्ता तय कराने के लिए संपर्क करता तो आरोपी हेडफोन की मदद से लड़की की आवाज में बात कर उसका विश्वास जीतते थे। इसके बाद पंजीयन और रिश्ता पक्का करने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में मोटी रकम अपने और रिश्तेदारों के खातों में मंगवाते थे। पैसे मिलते ही मोबाइल बंद कर गायब हो जाते थे।

लाखों के कोयला घोटाला में तीन महीने से फरार चल रहा ड्राइवर हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के ब्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड कंपनी डिघोरा में लाखों के कोयला घोटाला मामले में फरार चल रहे ड्राइवर को हिर्री पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। यह ड्राइवर पिछले तीन महीने से फरार था।

हिर्री टीआई दामोदर प्रसाद मिश्रा ने बताया कि इस प्रकरण में ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक, मैनेजर सहित पांच लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पेंड्रा निवासी आशीष केशरी ने हिर्री पुलिस को लिखित शिकायत दी थी।

उन्होंने बताया कि वे कोयला परिवहन का काम करते हैं। उन्होंने एसईसीएल रामपुर की कोयला खदान से वाहन क्रमांक सीजी 12 एस 8901 और सीजी 04 एचएक्स 4888 में उच्च गुणवत्ता (जी-6, 5500-5800 जीसीव्ही) का कोयला लोड कराया था।

यह कोयला ब्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड कंपनी डिघोरा भेजा गया था। प्लांट में पहुंचने पर

केमिस्ट द्वारा लैब परीक्षण किया गया, जिसमें ट्रेलरों में आया कोयला 4203 और 4220 जीसीव्ही का निकला, जो कि कम गुणवत्ता का था। इसके बाद कोयले की अफरा-तफरी के आरोप में अपराध दर्ज किया गया।

सिंगरौली का है ड्राइवर

प्रकरण में शामिल आरोपी वाहन क्रमांक सीजी 12 एस 8901 का चालक बृजेश जायसवाल निवासी देऊघर, थाना जियावन, जिला सिंगरौली, मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.15 करोड़ ठगने वाले गिरफ्तार

गुजरात-महाराष्ट्र और एमपी से 4 आरोपी अरेस्ट, बैंक खाते-मोबाइल नंबरों से पुलिस ने पकड़ा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर रेंज साइबर थाना पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले इंटर-स्टेट गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों में भी ठगी के कई मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुजरात निवासी शुभम चौहान और साबले प्रेम विश्वास, महाराष्ट्र निवासी अनुज सेन और विक्की रांहगडाले के रूप में हुई है।

पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की। जांच के दौरान ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का एनालिसिस किया गया। इसी के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में

सफल रही।

इन पीड़ितों के साथ आरोपियों ने की ठगी

पहले मामले में बलौदाबाजार जिले के पलारी निवासी डागेश चंद्राकर से शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने के नाम पर 69 लाख रुपए की ठगी की गई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने गुजरात के सूरत से शुभम चौहान और साबले प्रेम विश्वास को गिरफ्तार किया।

जांच में पता चला कि दोनों आरोपी फर्जी कंपनियां और फर्जी सिम का इस्तेमाल कर लोगों से अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा करवाते थे। इन खातों से जुड़े 20 से अधिक मामले कई राज्यों के थानों और साइबर सेल में दर्ज हैं।

दूसरे मामले में भाटापारा निवासी मुकेश विश्वकर्मा से 12 लाख रुपए की ठगी की गई थी। इस मामले में कटनी निवासी अनुज सेन को जबलपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी फर्जी कंपनियों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर अपने साथियों के साथ साइबर ठगी को अंजाम देता था।

वहीं, तीसरे मामले में मंदिर हसौद निवासी वेदप्रकाश बघेल से 34 लाख रुपए की ठगी की गई थी। जांच के दौरान महाराष्ट्र के गोंदिया निवासी विक्की राहंगडाले को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। वहीं, गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

ब्लैकमेलिंग से परेशान पति-पत्नी ने की युवक की हत्या

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। मुंगेली जिले के ग्राम घानाघाट में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले का चिल्फी पुलिस ने 12 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में पति-पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक द्वारा महिला को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर आरोपी पति-पत्नी ने योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने मृतक को अपने घर बुलाया और दूध में नींद की दवा मिलाकर पिला दी। दूध पीने के बाद जब वह बेहोश हो गया, तब आरोपियों ने गमछे से उसका गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को रामचंद पटेल के घर के पास फेंक दिया गया। मृतक का मोबाइल फोन और हत्या में प्रयुक्त गमछा मनियारी नदी में फेंकने की जानकारी भी पुलिस जांच में सामने आई है।

30 जुलाई 2026 की रात रामचंद पटेल

के घर के पास अरूण पटेल उर्फ वेद प्रसाद पटेल (24 वर्ष) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सूचना पर चौकी डिंडौरी एवं थाना चिल्फी पुलिस ने मर्ग क्रमांक 17/26, धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल (भा.पु.से.) ने मर्ग की त्वरित जांच कर वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत शुक्ला एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी लोरमी माधुरी धिरही के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जांच आगे बढ़ाई।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि करीब तीन वर्ष पहले मृतक अरूण पटेल, आरोपी मुकेश पटेल और उसकी पत्नी मनीषा पटेल मजदूरी करने महाराष्ट्र गए थे। वहां तीनों एक ही कमरे में रहते थे। इसी दौरान अरूण और मनीषा के बीच संबंध स्थापित हो गए। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान मृतक ने शारीरिक संबंध का वीडियो अपने मोबाइल फोन में बना लिया था। गांव वापस लौटने के बाद वह कथित वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर मनीषा को लगातार ब्लैकमेल कर रहा था।

पुलिस जांच के मुताबिक योजनाबद्ध तरीके से दोनों आरोपियों ने मृतक को अपने घर बुलाया। वहां उसे दूध में नींद की दवा मिलाकर पिलाई गई। दूध पीने के बाद जब अरूण बेहोश हो गया तो आरोपियों ने गमछे से उसका गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को घर से दूर रामचंद पटेल के घर के पास फेंक दिया गया। इसके बाद मृतक का मोबाइल फोन और हत्या में प्रयुक्त गमछा मनियारी नदी में फेंक दिया गया।

पूछताछ में हत्या कबूलने का दावा

पुलिस ने मामले में मुकेश पटेल (34 वर्ष) और उसकी पत्नी मनीषा बाई पटेल (27 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम घानाघाट, चौकी डिंडौरी, थाना चिल्फी, जिला मुंगेली को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में दोनों ने हत्या करना स्वीकार किया। मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर 17 अगस्त 2026 को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-13

Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं.2297/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 दुर्ग, दिनांक 14/08/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2026-27 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रुपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। (जोनल निविदा ग्रुप क्र. 27, 28, 29 एवं 30) S.T.No.-197492, 197494, 197495, 197497	40.00 लाख प्रति ग्रुप
2	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पाटन अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2026-27 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रुपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। (जोनल निविदा ग्रुप क्र. 03) S.T.No.-197498	40.00 लाख प्रति ग्रुप

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 14.08.2026 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 23.08.2026 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग दुर्ग (छ.ग.)

जी-262702822/4

लॉक तोड़ बाइक चुराने वाले गिरोह का एक आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर खड़े दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं हो रही थी। मानिकपुर क्षेत्र में हुई इसी तरह की चोरी के मामले में पुलिस जांच-पड़ताल कर आरोपी गौरव नायक (20) को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी की 5 वाहन बरामद किया है।

आरोपी सुनसान जगहों पर खड़ी दोपहिया वाहनों का हैंडल लॉक तोड़कर और मास्टर चाबी की मदद से चोरी करते थे। आरोपी से पूछताछ में उसने अपने साथी फैजान उर्फ कौवा के साथ मिलकर कोरबा के मानिकपुर, कोतवाली और उरगा क्षेत्र के अलावा रायगढ़ से दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार किया।

विकसित छत्तीसगढ़ की ओर मजबूत कदम

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ रहा छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पर्यटन विकास का स्वर्णिम अध्याय

प्राकृतिक संपदाओं, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक आस्थाओं, जैव विविधता और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे उभरते हुए पर्यटन राज्यों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों, पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने, निवेश को प्रोत्साहन देने और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़ने की पहल ने प्रदेश में पर्यटन विकास को नई गति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री जन पर्यटन प्रोत्साहन योजना छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन को सुलभ, समृद्ध और आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की प्राकृति सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय गौरव को देश-दुनिया तक पहुंचाया जाए। पर्यटन केवल भ्रमण का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक समृद्धि का मजबूत आधार है।

- श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मधेश्वर पहाड़ बना विश्व रिकॉर्डधारी, छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिली नई पहचान

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले स्थित मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। 'लार्जेस्ट नेचुरल फैक्सिमिली ऑफ शिवलिंग' के रूप में मिली यह मान्यता प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाला क्षण बताया। कुनकुरी ब्लॉक के मयाली गांव के समीप स्थित मधेश्वर पहाड़ प्राकृतिक आस्था का अनूठा केंद्र है। राज्य सरकार के प्रयासों से जशपुर तेजी से पर्यटन और एडवेंचर गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

राजधानी रायपुर बना सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन का प्रवेश द्वार

राम मंदिर, रायपुर

पुरखौती मुक्तांगन, नया रायपुर

राम मंदिर, मां कौशल्या धाम, ट्राइवल म्युजियम, पुरखौती मुक्तांगन, ऊर्जा पार्क, नंदनवन एवं अन्य प्रमुख स्थलों को पर्यटन सर्किट से जोड़कर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई मजबूती दी गई है। धार्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

जशपुर की वादियों से उठी चाय की सुगंध, कृषि और पर्यटन को मिली नई उड़ान

छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से जशपुर जिले का सारूडीह चाय बागान आज राज्य की नई पहचान बनकर उभरा है। लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में फैला यह बागान पर्वतों और घने जंगलों के बीच स्थित है, जो पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण दोनों को बढ़ावा दे रहा है। राज्य की पहली चाय प्रसंस्करण इकाई बालाछापर में स्थापित की गई है, जहां काली और हरी चाय का उत्पादन शुरू हो चुका है। वर्मी कम्पोस्ट आधारित जैविक खेती से तैयार जशपुर की चाय गुणवत्ता और स्वाद के लिए विशेष पहचान बना रही है। चाय बागान ने अनुपयोगी भूमि को हरियाली में बदलने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए हैं। आज सारूडीह चाय बागान छत्तीसगढ़ की कृषि नवाचार, ग्रामीण विकास और पर्यटन क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है।

सिरपुर और बारनवापारा : विरासत और वन्य पर्यटन का अद्भुत संगम

सिरपुर लक्ष्मण मंदिर

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य

सिरपुर की ऐतिहासिक धरोहर, प्राचीन मंदिर और पुरातात्विक महत्व शोधार्थियों एवं पर्यटकों को आकर्षित कर रहे है। बारनवापारा की जंगल सफारी और वन्य जीवन प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पर्यटन सुविधाओं के विकास से स्थानीय ग्रामीण समुदायों की आय में वृद्धि हो रही है।

मैनपाट : छत्तीसगढ़ का शिमला, प्रकृति और संस्कृति का संगम

मैनपाट अपनी ठंडी जलवायु, हरियाली और तिब्बती संस्कृति के कारण 'छत्तीसगढ़ का शिमला' एवं 'मिनी तिब्बत' कहलाता है। टाइगर पॉइंट, फिश पॉइंट, जलजली और उल्टा पानी जैसे आकर्षण इसे विशेष बनाते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, रिसॉर्ट विकास और मैनपाट कार्निवल के माध्यम से इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर रही है।

पर्यटन में निवेश का बढ़ता विश्वास

होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस सेंटर, इको-रिसॉर्ट और पर्यटन अधोसंरचना में करोड़ों रुपये के निवेश की संभावनाएं मजबूत हुई है। इनसे आधुनिक सुविधाओं का विकास होगा तथा हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है।

पर्यटन क्षेत्र के लिए तैयार हो रही प्रशिक्षित युवा शक्ति

पर्यटन विभाग के सहयोग से सैकड़ों युवाओं को गाइड प्रशिक्षण, संचार कौशल, सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण, पर्यटक प्रबंधन और आतिथ्य सेवाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षित युवा प्रदेश की विरासत को देश- विदेश के पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सोनाखान-कसडोल : इको-टूरिज्म विकास का नया मॉडल

नारायणपुर स्थित हांडावाड़ा जलप्रपात

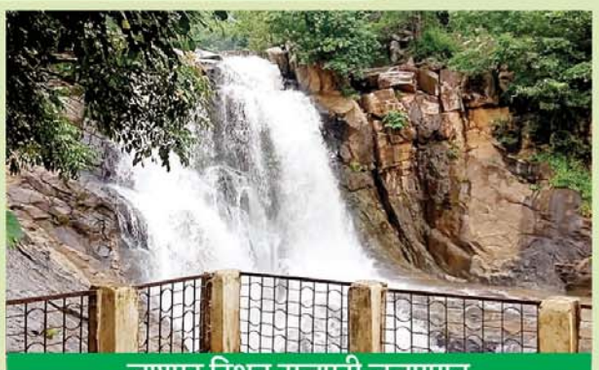

जशपुर स्थित राजपुरी जलप्रपात

शहीद वीर नारायण सिंह की पावन कर्मभूमि सोनाखान और प्राकृतिक संपदा से समृद्ध कसडोल क्षेत्र को इको-टूरिज्म के रूप में विकसित किया जा रहा है। घने वन, झरने, जैव विविधता, वन्यजीव और आदिवासी संस्कृति से समृद्ध यह क्षेत्र अब पर्यटन मानचित्र पर से तेजी से उभर रहा है। इको-टुरिजम से स्थानीय युवाओं को गाइड सेवा, परिवहन, होमस्टे, हस्तशिल्प, खाद्य सेवाओं एवं पर्यटन आधारित उद्यमों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल रहे है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का आदर्श मॉडल भी है।

RO- 48382/5

पर्यटन से बढ़ रहा रोजगार • मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था • सशक्त हो रहा ग्रामीण छत्तीसगढ़

प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक गौरव और आधुनिक विकास का अनूठा संगम आज छत्तीसगढ़ को देश के सबसे संभावनाशील पर्यटन राज्यों में स्थापित कर रहा है। पर्यटन के माध्यम से छत्तीसगढ़ नई पहचान, नई ऊर्जा और नए अवसरों के साथ विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950